इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

छत्तीसगढ़ लोहा एवं टाईल्स दुकान
हमारे यहां छड़, सीमेंट, तार, खिला, पाईप व्हाईट सीमेंट, लोहा सीट, फायबर सीट, सीमेंट सीट, काला पत्थर, सिरेमिक टाईल्स, ग्रेनाईड, मार्बल, कोटा स्टोन, सेनेटरी आयटम एवं सभी प्रकार के बिल्डिंग मटेरियल का सामान उपलब्ध है।
छड़ - गोयल TMT, नकोड़ा, कामधेनु, AC TM,
उत्कल TM सीमेंट - अम्बुजा, अल्ट्राटेक, JK लक्ष्मी
मोहारा रोड, बाईपास के पहले, राजनांदगांव (छ.ग.)
मो.- बबला गेण्डरे : 8817645985, पार्थ गेण्डरे : 8435647509, छोटू गेण्डरे : 6265557585

वर्ष- 44 अंक -28 राजनांदगांव, शनिवार 14 दिसम्बर 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

साय सरकार का एक साल : भाजपा अध्यक्ष नड्डा बोले- हम सत्ता के माध्यम से सेवा करते हैं, कांग्रेस उपभोग करती है

रायपुर। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जनादेश परब कार्यक्रम में शामिल होने के लिए साइंस कॉलेज मैदान पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, मै माता कौशल्या के जन्मस्थान और भगवान राम के ननिहाल स्थान आया हूं। इस पवित्र भूमि को नमन करते हुए अपनी बात करूंगा।

संसद हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, आज से 23 साल पहले 13 दिसंबर को भारत के संसद पर आतंकवादियों ने हमला किया था। उस दुर्भाग्यपूर्ण हमले में कुछ लोगों की शहादत हुई, आज उनको हम नमन करते हैं। 13 दिसंबर को साय सरकार भी बनी और आज हम सरकार के उपलब्धियों को लेकर आपके बीच है। हम सत्ता का उपयोग करके जनता की सेवा करते है। कांग्रेस पार्टी सत्ता का उपभोग करती है, यही अन्तर दोनों पार्टियों में है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि, देश में पीएम नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर होकर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पूरे देश और प्रदेश में उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने की वजह से लोगों को डबल लाभ हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति है। अगले पांच सालों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेंगे। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कार्यक्रम में 1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

18 लाख पीएम आवास को दी गई मंजूरी

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने जनादेश परब में छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि, प्रदेश सरकार स्वप्रेरणा से लोकहित में पूरी जवाबदेही के साथ काम कर रही है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नई दिल्ली सीट से ही चुनाव लड़ेंगे केजरीवाल, पूर्व सीएम ने किया ऐलान; सीएम आतिशी की सीट भी हुई कन्फर्म

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। आप सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी नई दिल्ली सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला मुख्यमंत्री पुत्रों और आम आदमी के बीच होगा।

कांग्रेस ने तीन बार की सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी उनके खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री मंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे परवेश वर्मा को मैदान में उतार सकती है। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी किसी अन्य सीट पर नहीं जाएंगी और अपने कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी।

चुनाव केजरीवाल के नाम पर लड़ा जाएगा- केजरीवाल

जब उनसे सीट बदलने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कोई बदलाव नहीं होगा। मैं नई दिल्ली सीट से और मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी से चुनाव लड़ेंगी।÷ केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी उनके नाम पर दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रही है और दावा किया कि उनकी पार्टी अच्छे जनादेश के साथ चौथी बार सत्ता में आएगी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'संविधान में भगत सिंह और वीर सावरकर का भी योगदान', राजनाथ सिंह के इस बयान पर प्रियंका गांधी ने किया जोरदार पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में अपना पहला भाषण दिया। प्रियंका गांधी से पहले लोकसभा में संविधान पर चर्चा में राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। भाजपा की ओर से राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस संविधान को बचाने का नारा देती है, लेकिन दूसरी तरफ यही कांग्रेस संविधान का अपमान भी करती है।

कांग्रेस ने 1973 में संविधान के तहत सभी मूल्यों को ताक पर रख दिया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है, इसमें भगत सिंह और वीर सावरकर का भी योगदान है। वीर सावरकर का नाम सुनते ही विपक्ष ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद प्रियंका गांधी ने राजनाथ के संबोधन पर जोरदार पलटवार किए।

नेहरू को छोड़िए, भाजपा ने क्या किया ये बताएं- प्रियंका

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷सत्तापक्ष के हमारे कई साथी अतीत की बात करते हैं कि जवाहर लाल नेहरू ने क्या किया। अरे, वर्तमान की बात कीजिए आप लोग क्या कर रहे हैं। आपकी क्या जिम्मेदारी है। आप लोग अतीत की बात करके अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वायनाड से लेकर ललितपुर तक इस देश का किसान रो रहा है। आपदा आती है, तो राहत की बात नहीं की जाती है। इस देश का किसान आज भगवान के भरोसे है। यह सरकार लगातार किसानों के हितों की अनदेखी कर उद्योगपतियों के लिए ही कानून बना रही है। कृषि कानून उद्योगपतियों के लिए बनाए गए।

संविधान ही हमारी आवाज है- प्रियंका गांधी वाड्रा

प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान ही हमारी आवाज है। संविधान ने हमें चर्चा का हक दिया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अल्लू अर्जुन को मिली राहत, 'पुष्पा' को एचसी से मिली अंतरिम जमानत

हैदराबाद। हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ के सिलसिले में अल्लू अर्जुन को आज दोपहर गिरफ्तार किया। फिलहाल इस मामले में एक्टर अल्लू अर्जुन को तेलंगाना हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। अल्लू अर्जुन को 14 दिनों तक न्यायिक हिरासत में भेजने की बात सामने आ रही थी। अब इस केस में अल्लू अर्जुन को शुक्रवार को ही ह्न से जमानत मिल गई है। केस में जांच जारी रहने से अभिनेता को अस्थायी राहत मिली है। जमानत मिलने के बाद 'पुष्पा' यानी अल्लू अर्जुन फिल्मी स्टाइल में पुलिस स्टेशन से बाहर आते दिखे।

थाने के बाहर लगी अल्लू अर्जुन के फैन्स की भीड़

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद फैन्स भी पुलिस स्टेशन के बाहर इकट्ठा होने लगे। तेलंगाना की राजनीति भी अब इस मामले को लेकर गरमाने लगी है। ब्क्रास पार्टी के कर्यवाही प्रेसिडेंट केटी रामा राव ने इसको लेकर पोस्ट किया है। भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शुक्रवार को हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ के सिलसिले में 'पुष्पा 2: द रूल' अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी की निंदा की, इसे तेलंगाना सरकार की असुरक्षा की पराकाष्ठा बताया।

'आम आदमी हो या प्रधानमंत्री, संविधान सभी के लिए एक', अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी पर बोले सीएम रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी पर आज प्रतिक्रिया दी। एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि इस देश में आम आदमी से लेकर प्रधानमंत्री तक के लिए संविधान एक समान है। संविधान में सभी लोगों के लिए एक समान कानून और नियम हैं। पुष्पा 2 रिलीज में पहले दिन हमने 300 रुपये टिकट बेचने की इजाजत दी थी। उसका बेनिफिट शो बनाया 1300 में टिकट बेचे गए। वहां पर कोई व्यवस्था नहीं थी। एक महिला की जान चली गई। उनका बेटा 13 दिन से अस्पताल में है।

कवर्धा में एसडीएम को कॉलर पकड़कर पीटा...पटवारी के खिलाफ एबीवीपी कार्यकर्ता कर रहे थे प्रदर्शन

कवर्धा (दावा)। जिले के पंडरिया में पटवारी और तहसीलदार पर किसान से रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं. इस मामले में गुरुवार को जमकर प्रदर्शन हुआ. एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने मामले में प्रदर्शन किया. इस दौरान एसडीएम और छात्रों के बीच झड़प भी हुई है. इसका वीडियो भी सामने आया है. जबकि रिश्वत मांगने वाले पटवारी की ऑडियो/विडीयो भी वायरल हुआ है. आधी रात तक इस मामले में बवाल चलता रहा.

भड़कते हुए एसडीएम ने कहा-हटाओ इनको

अवैध वसूली के आरोप

दरअसल पंडरिया में पटवारी और तहसीलदार पर किसानों का पर्ची बनाने नामांतरण करने के नाम पर अवैध वसूली के आरोप हैं. इसका एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है. इसके बाद इन पर कार्रवाई की मांग को लेकर एबीवीपी ने गुरुवार को जमकर प्रदर्शन किया, रिश्वत मांगने वाले पटवारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर एसडीएम कार्यालय के सामने धरने पर बैठे गए. इससे पहले वे एसडीएम के पास शिकायत के लिए पहुंचे थे. (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीएम साय ने देर रात बुलाई बीजेपी विधायक दल की बैठक, इन मुद्दों पर हो रही चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी विधायक दल की बैठक शुक्रवार की देर रात न्यू सीएम हाउस नवा रायपुर अटल नगर में हुई। इसमें पार्टी के सभी विधायक पहुंचे हुए हैं। चर्चा है कि इसमें नगरीय निकाय चुनाव और जनादेश पर्व को लेकर रणनीति बनाई जायेगी। इससे पहले भाजपा सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर संगठन की ओर से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सव्वनी,महामंत्री संजय श्रीवास्तव, रामू रोहरा, भाजपा नेता सौरभ सिंह सहित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री निवास जाकर बधाई दी। इस अवसर पर सरकार के वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे।

स्मृति मंदिर का लोकार्पण

बीजेपी प्रदेश कार्यालय स्थित स्मृति मंदिर के लोकार्पण पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि स्मृति भवन आने वाले समय में कार्यकर्ताओं को सदैव प्रेरित करेंगी और उनको नई ऊर्जा देगी। कार्यालय महज कोई बिल्डिंग या इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं बल्कि कार्यकर्ता निर्माण का जीवंत संपर्क स्थान होता है और कार्यकर्ताओं को संस्कार देने में कार्यालय की बहुत बड़ी भूमिका होती है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष समेत 2 आरोपियों को बेल, पीड़िता के पिता बोले- शायद कभी न मिले इंसाफ

कोलकाता। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के मामले में शुक्रवार को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष समेत 2 आरोपियों को जमानत मिल गई। सियालदह कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से 90 दिन की समय सीमा में चार्जशीट दायर नहीं कर पाने को आधार बनाते हुए संदीप घोष और तालतला पुलिस स्टेशन के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल को बेल दी है। जिसके बाद पीड़ित डॉक्टर के माता-पिता ने गहरी निराशा जताई है। हालांकि, संदीप घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितता के मामले की जांच जारी है। इसलिए अभी पूर्व प्रिंसिपल की रिहाई नहीं होगी।

सीबीआई की लापरवाही से डॉक्टर के पेरेंट्स दुखी

ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के जघन्य मामले में सीबीआई 90 दिनों की डेडलाइन में चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी। पीड़िता की मां ने कहा, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

APEX MEDICAL INSTITUTE
LINGAYA'S VIDYAPEETH
100% JOB GUARANTEE
प्रवेश प्रारंभ
12वीं पास छात्रों के लिए
UGC - B. VOCATIONAL SCHEME
ऐपेक्स हॉस्पिटल में ट्रेनिंग, प्रैक्टिकल एवं लर्निंग
Our Courses
VOCATIONAL EDUCATION PROGRAMMES
स्नातक (बी.वोक.)
* मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी
* ऑप्टोमेट्री टेक्नोलॉजी
* ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी
* रेडियोलॉजी एंड मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी
* डायलिसिस टेक्नोलॉजी
* हॉस्पिटल मैनेजमेंट
* कार्डियक केयर टेक्नोलॉजी
* फिजियोथेरेपी
* पेशेंट केयर मैनेजमेंट
* हॉस्पिटल स्टेरिलाइजेशन टेक्नोलॉजी
मास्टर (एम.वोक.)
* मेडिकल लैब प्रौद्योगिकी
* अस्पताल प्रबंधन
* रेडियोलॉजी एवं मेडिकल इमागिंग टेक
* ऑप्टोमेट्री प्रौद्योगिकी
+ 917000138563
+ 916266146664
+ 919425291498
पताः- डोंगरगांव रोड, बसंतपुर, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

आईपीएस जीपी सिंह आ रहे रायपुर : घर में स्वागत की भव्य तैयारियां, साज-सज्जा के साथ ही आतिशबाजी की भी तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीनियर आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह केंद्र सरकार से बहाली का आदेश जारी होने के बाद शुक्रवार 13 दिसंबर को रायपुर पहुंचने वाले हैं। लंबी कानूनी लड़ाई में जीत हासिल हासिल करने के बाद उनके घर आगमन के दौरान घर को सजाया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक श्री सिंह शुक्रवार 13 दिसंबर को राजधानी पहुंचेंगे। केंद्र सरकार द्वारा बहाल किए जाने का आदेश जारी होने के बाद घर में उत्सव की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि, आतिशबाजी की तैयारी भी की गई है। श्री सिंह छत्तीसगढ़ हीं नहीं बल्कि देश के पहले आईपीएस हैं जो काफी संघर्ष और कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद वापस सेवा में लौट रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि, केंद्र सरकार की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो जाने के बाद श्री सिंह की बहाली का आदेश केंद्र ने जारी किया है। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार 10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह के खिलाफ अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश को रद्द करने के खिलाफ भारत संघ की चुनौती को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को केंद्र की चुनौती पर यह आदेश पारित किया, जिसमें सिंह की अनिवार्य सेवानिवृत्ति को रद्द करने के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा गया था।

आय से अधिक संपति और राजद्रोह के मामले में हुई थी गिरफ्तारी

उल्लेखनीय है कि, आय से अधिक संपत्ति और राजद्रोह के आरोप में उनकी गिरफ्तारी की गई थी। एक जुलाई वर्ष 2021 में एसीबी की टीम ने उनके पुलिस लाइन स्थित सरकारी बंगले के अलावा राजनांदगांव और ओडिशा सहित 15 अन्य ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिसमें 10 करोड़ की अघोषित संपत्ति के साथ कई संवेदनशील दस?तावेज पाए गए थे। छापे से मिली संपत्ति के आधार पर एसीबी ने एक तरफ जीपी सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज किया था। वहीं दूसरी ओर सरकार ने 5 जुलाई को उन्हें सस्पेंड कर 8 जुलाई की रात को उनके खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया था।

वर्ष 2022 में मिली थी जमानत

इस घटनाक्रम के बाद 9 जुलाई 2021 को जीपी सिंह ने हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की और उसमें सीबीआई जांच की मांग की थी। मामले की जांच के बाद 11 जनवरी 2022 को जीपी सिंह को नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद उन्हें मई 2022 में उन्हें जमानत मिली थी। इस पूरे वाकये के बाद सर्विस रिव्यू कमेटी की सिफारिश पर 21 जुलाई 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस जीपी सिंह को भारत सरकार ने कंप्लसरी रिटायर कर दिया था। जब आईपीएस को कंप्लसरी रिटायर करने का फैसला लिया गया था। तब उनकी सर्विस के आठ साल बचे थे।

मस्तिष्क, नस एवं स्पाइन
राजनांदगाव रोग विशेषज्ञ में उपलब्ध
महीने के प्रत्येक शनिवार
दोप. - 3:30 बजे से 4:30 बजे तक
राजनांदगांव मेडिकोज, सतनाम भवन न्यू बस स्टैंड के पास
7869899833, 8871626367
डॉ. कुलदीप सिंह
Dr. Kuldeep's BRAIN AND SPINE CLINIC
24x7 EMERGENCY SERVICE
CALL- 6261500981
MBBS, MS, Mch (Neuro)
प्रतिदिन उपलब्ध
शिवाय मेडिकोज डॉ. बघेल पॉलीक्लिनिक के सामने न्यू बस स्टैंड दुर्ग

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान अंतर्गत रोग की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण

शासकीय आयुष पॉलीक्लिनिक में प्रतिदिन रोगियों को प्रकृति परीक्षण के विषय में किया जा रहा जागरूकता

- कलेक्टर ने नागरिकों से प्रकृति परीक्षण कराने के लिए की अपील
- देश का प्रकृति परीक्षण अभियान 25 दिसम्बर तक

राजनांदगांव (दावा)। देश का प्रकृति परीक्षण अभियान आयुष मंत्रालय के अन्तर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा 26 नवम्बर से 25 दिसम्बर के मध्य चलाया जा रहा है। यह अभियान देश के सभी राज्यों में सभी आयुष संस्थाओं में चलाया जा रहा है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में प्रकृति परीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति परीक्षण एक बहुत अच्छा एप्प है। हमारे शरीर की प्रकृति कैसी है यह इस एप के माध्यम से जान पायेंगे। जिससे हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को प्रकृति परीक्षण एप को डाउनलोड करने तथा इस सुविधा का लाभ लेने के लिए अपील की है। जिले में जिला आयुष अधिकारी डॉ. शिल्पा मिश्रा के निर्देशन में सभी आयुष संस्थाओं में प्रकृति परीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपना प्रकृति परीक्षण करा कर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ जिले में विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों में स्वास्थ्य जागरूकता हेतु प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। साथ ही पंजीकृत निजी चिकित्सकों द्वारा भी निःशुल्क प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। शासकीय आयुष पॉलीक्लिनिक में प्रतिदिन रोगियों को प्रकृति परीक्षण के विषय में जागरूकता के साथ प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है।

आयुर्वेद चिकित्साधिकारी शासकीय आयुष पॉलीक्लिनिक राजनांदगांव डॉ. प्रज्ञा सक्सेना ने बताया कि आयुर्वेद के त्रिदोष सिद्धांत वात पित कफ के आधार पर सात प्रकार की शारीरिक प्रकृति होती है। जिसका निर्धारण गर्भाधान के समय हो जाता है। व्यक्ति को उसकी प्रकृति का ज्ञान उसमें होने वाले रोगों की संभावनाओं और उनके रोकथाम हेतु महत्वपूर्ण है। किसी एक ही परिस्थिति में तीन अलग-अलग व्यक्तियों की प्रतिक्रिया या व्यवहार का अलग-अलग होना या एक ही परिवेश में रहने पर भी एक व्यक्ति को एक प्रकार का भोज्य पदार्थ उपयुक्त होना और दूसरे व्यक्ति में उपयुक्त न होना उस व्यक्ति की विशिष्ट प्रकृति के कारण ही होता है। प्रकृति परीक्षण में व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक प्रवृत्तियों का मूल्यांकन किया जाता है।

इस हेतु नागरिकों को उनके मोबाइल में प्रकृति परीक्षण एप्लीकेशन पर ऑनलाइन प्रकृति परीक्षण के उपरांत तत्काल डिजिटल प्रकृति कार्ड प्राप्त होगा। जिसके अनुसार उन्हें व्यक्तिगत आहार, जीवन-शैली के विषय में सुझाव प्राप्त होता है। गैर संचारी रोगों के बढ़ते हुये आकड़ों को ध्यान में रखते हुये उसकी रोकथाम हेतु ये अभियान महत्वपूर्ण है। अभियान का ध्येय वाक्य संकल्प स्वास्थ्य का आधार आयुर्वेद का है।

मुख्यमंत्री का संदेश विष्णु की पाती वन चौपाल में ग्रामीणों को पढ़कर सुनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। वन एवं जलवायु विभाग द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न जनहितकारी योजनाओं तथा विगत 1 वर्ष की उपलब्धियों से जनसामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से वनांचल क्षेत्रों में वन चौपाल आयोजित किये जा रहे है। राजनांदगांव वन मंडल द्वारा ग्राम नादिया, उप परिक्षेत्र छुरिया, परिक्षेत्र बाघनदी, जैतगुंड्र, पेंड्रीडीह में वन चौपाल आयोजित किया गया।

वन चौपाल में ग्रामीणों को मुख्यमंत्री का संदेश विष्णु की पाती पढ़कर सुनाया गया। ग्रामीणों को शासन द्वारा जनहित में उठाये गये कदम जैसे तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रामिक में वृद्धि तथा बोनस, छात्रवृत्ति एवं बीमा के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसी प्रकार हिसंक वन्य प्राणी से जनहानि, जनघायल, पशुहानि एवं फसल हानि के संबंध में मिलने वाले मुआवजे के बारे लोगों को अवगत कराया गया। एक पेड़ मां के नाम व मिशन लाइफ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए वनमंडल में स्थित रोपणियों में तैयार किये गये पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया एवं किसान वृक्ष मित्र योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है।

संयुक्त वन प्रबंध समितियों की बैठक आयोजित की जा रही है। लाभांश एवं चक्रीय निधी से रोजगार मूलक कार्यों के संबंध में चर्चा भी की जा रही है। शासन की इस पहल अंतर्गत ग्रामीणों के द्वारा उत्साह के साथ भाग लिया जा रहा है तथा पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की जा रही है।

पंचायत चुनाव में आरक्षण : मोहला-मानपुर में 17 दिसंबर को होगी आरक्षण की प्रक्रिया

मोहला (दावा)। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर जिले में पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण की प्रक्रिया 17 दिसंबर को पूरी की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तुलिका प्रजापति ने छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन अधिनियम अंतर्गत जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के जिला पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष/सदस्य पदों के प्रवर्गवार एवं महिलाओं के प्रवर्गवार स्थानों के आवंटन/आरक्षण की कार्यवाही कार्यालय कलेक्टर जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के सभाकक्ष में 17 दिसंबर को सुबह 11 बजे किया जायेगा। उक्त कार्यवाही की प्रक्रिया देखने के लिए जिले के नागरिक गण उपस्थित हो सकते हैं।

पहला कॉलम...

जिला सैनिक कार्यालय में बड़ी धूमधाम से झंडा दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। सशस्त्र झंडा दिवस 7 दिसंबर को जिला सैनिक कार्यालय में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव कलेक्टर संजय अग्रवाल उपस्थित रहे झंडा दिवस में झंडा दिवस के अवसर पर अनेक शहीद परिवार को कलेक्टर महोदय द्वारा झंडा दिवस में एकत्रित राशि से अनेक परिवार को सम्मानित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिवार शहीद परिवार उपस्थित थे शहीद परिवार की समस्या कलेक्टर महोदय बड़े ध्यान से सुने और उसे जल्द से जल्द हल करने की आश्वासन दिया गया इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य भारी संख्या में उपस्थित थे जिसमें पूर्व अध्यक्ष नायक सूबेदार बसंत राउटे गुमान साहू उमेश कुमार अंगेश्वर प्रसाद सिन्हा युगल किशोर पीयूष कुमार अन्य पूरे परिवार के साथ उपस्थित थे।

बूथ अध्यक्ष हुये निर्वाचित

राजनांदगांव (दावा)। इंदिरा सरोवर स्वर्गधाम स्थित सामुदायिक भवन में 8 दिसम्बर 2024 को शक्ति केन्द्र क्रमांक 03 के बूथ अध्यक्ष का निर्वाचन किया गया जिसमें खूबचंद पारख प्रदेश चुनाव अधिकारी के आदेशानुसार निर्वाचन अधिकारी अशोकादित्य श्रीवास्तव, सहनिर्वाचन अधिकारी दामोदर दास भूतड़ा, वार्ड पार्षद राजेश जैन (रानू) की उपस्थिति में बूथ अध्यक्ष की निम्नानुसार बूथ क्रमांक 131 चिराग माहेश्वरी, बूथ क्रमांक 132 नादान सेन, बूथ क्रमांक 133 श्रीमती ज्योति सहारे, बूथ क्रमांक 134 दीपक सिन्हा, बूथ क्रमांक 138 अभिषेक सेन सर्वसम्मति से निर्वाचित किये गये। बूथ अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में राजेश बिसने, महेश साकुरे, राहुल सोनपीपरे, जुगल शर्मा, चित्रा महिलांगे, हर्ष अग्रवाल, ईशान शर्मा, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, विष्णु अग्रवाल, संदीप सोनी एवं भाजपा के सभी सम्मानित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

रामाटोला में एड्स दिवस मना

डोंगरगढ़ (दावा)। विश्व एड्स दिवस रामटोला महाविद्यालय में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में हितेंद्र कोसरे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ ने अपना व्याख्यान दिया! जिसमें एड्स से होने वाली समस्या, पहचान एवं रोकथाम के उपाय बताये। इस अवसर पर छात्रों द्वारा बनाई गई एड्स से सम्बन्धित रंगोली, एवं पेंटिंग का अवलोकन किया। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को मोमेंटो प्रदान किया गया। निबंध में प्रथम गजेंद्र साहू, द्वितीय वोमेशवरानन्द, भाषण मे प्रथम कु. ज्योति सेन द्वितीय कु. ईश्वरी पटेल, पेंटिंग में प्रथम कु. हेमलता साहू द्वितीय सूरजकुमार, वाद-विवाद में प्रथम वोमेशवरानन्द द्वितीय कु. ईश्वरी पटेल, रंगोली प्रथम वोमेशवरानन्द द्वितीय कु ईश्वरी पटेल रही। साथ ही एड्स जागरूकता के संबंध में नाटक का मंचन किया जिसमें कु. प्रीति वोमेशवरानन्द, कु. हितेश्वरी, कु. तुकेस्वरी, कु. रेणुका, कु. हुलसी, कु. रुपाली शामिल थे।

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
शानदार दूसरा सप्ताह — रोजाना 3 खेलों में
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
समय : 11.30, 3.15 व 8 बजे रात्रि
फिल्म की लम्बाई अधिक होने के कारण समय का ध्यान रखें
पुष्पा 2
कलाकार - अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहाद फाज़िल आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show — SILVER SCREEN MULTIPLEX — 05th Dec To 12th Dec 2024

Pushpa The Rule 2 - 09:45am, 10:00am, 10:15am, 01:30pm, 01:45pm, 02:00pm, 05:15pm, 05:30pm, 05:45pm, 09:00pm, 09:15pm and 09:30pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

आज लगेगी नेशनल लोक अदालत: 49 खण्डपीठ के द्वारा भौतिक एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा प्रकरणों का निराकरण

राजनांदगांव (दावा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सुषमा सावंत ने बताया कि माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 14 दिसंबर 2024 को जिला राजनांदगांव में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

इस लोक अदालत में कोई भी इच्छुक स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए आवेदन कर सकते है, संबंधित पक्षों की सहमति से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। लोक अदालत में सुनाये गये फैसलों की सामान्य अदालत में सुनाये गये फैसलों जितनी ही अहमियत होती है और लोक अदालत में सुनाये गय फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राजनांदगांव ने जिले के आम लोगों से लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु अपील की है। न्यायालयों में बड़ी संख्या में लंबित प्रकरणों में कमी लाने के उद्देश्य से तथा प्रभावित पक्षकरों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की दिशा में नेशनल लोक अदालत एक प्रभावशाली कदम है। जिस हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के द्वारा नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय राजनांदगांव, व्यवहार न्यायालय खैरागढ़, डोंगरगढ़, अंबागढ़ चौकी, छुईखदान एवं राजस्व न्यायालयों राजनांदगांव, के.सी.जी. एवं एम.एम.एसी. सहित कुल 49 खण्डपीठों का गठन किया गया है। उक्त खण्डपीठों के द्वारा ही विभिन्न प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन का निराकरण किया जायेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एच.के. रात्रे ने बताया कि उक्त नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, धारा-138, परकाम्य लिखत अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, सिविल प्रकरण, निष्पादन प्रकरण, विद्युत संबंधी मामलों, पारिवारिक विवाद एवं राजस्व मामलो का निराकरण किया जाना है। इसके अतिरिक्त बैंक, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभार्ग, नगर पालिका परिषद् में वसूली संबंधी लंबित प्रकरण प्री-लिटिगेशन प्रकरण, जिला विधिक सहायता प्राधिकरण में प्रस्तुत किये गये है, जिनका निराकरण लोक अदालत खंडपीठ के द्वार निराकृत किया जावेगा। यदि कोई भी व्यक्ति लोक अदालत के माध्यम से अपना प्रकरण निराकृत करना चाहता है, तो वह 14 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना प्रकरण निराकृत करा सकता है। साथ ही उपरोक्त लोक अदालत के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें एलोपेथिक एवं आयुर्वेदिक तरीके की जांच का लाभ उठा सकते है।

इस बार हाईब्रिड लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, इसमें पक्षकार व अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर व अपने घरों से भी वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपसी सहमति से प्रकरणों का निराकरण करेंगे। लोक अदालत के सफल संचालन हेतु राजनांदगांव जिला न्यायालय की वेबसाइट https://raj-nandgaon.dcourts.gov.in/ पर लिंक की सहायता से पक्षकारों को घर बैठे सीधे लोक अदालत की खण्डपीठ से जुड़ने में सहायता मिलेगी। यदि कोई पक्षकार उक्त लोक अदालत के माध्यम से अपना राजीनामा योग्य प्रकरण निराकृत करवाना चाहते है, तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव अथवा अपने अधिवक्ता से संपर्क कर सकते है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के द्वारा पक्षकारों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने मामलों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराकर सुलभ, शीघ्र एवं सस्ता न्याय प्राप्त करें तथा नेशनल लोक अदालत को सफल बनाये।

निःसंतान दंपतियों के लिए सुनहरा अवसर

निःसंतानता रोग विशेषज्ञ की सेवाएं राजनांदगांव एवं खैरागढ़ में उपलब्ध

राजनांदगांव (दावा)। निःसंतानता लाइलाज नहीं, सही परामर्श एवं आईवीएफ से संतान सुख प्राप्ति संभव है, ऐसा कहना है मुंबई की प्रतिष्ठित निःसंतानता चिकित्सक डॉ. रैनी अग्रवाल का। आजकल की असामान्य एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में निःसंतानता, दंपतियों में एक प्रमुख समस्या बन कर उभर रही है।

एक परिवार तब ही पूरा होता है जब दंपत्ति की खुद की संतान हो, परंतु यह सुख सभी को प्राप्त नहीं हो पाता।

दंपति वर्षों तक प्रयास करते रहते हैं परंतु संतान सुख की प्राप्ति नहीं कर पाते, जिसकी वजह से परिवार में क्लेश तथा मानसिक तनाव से जूझते रहते हैं परंतु अब मेडिकल साइंस की नई टेक्नोलॉजी आईवीएफ (ढ्ढङ्कस्न) से संतान प्राप्ति संभव है। ऐसे दंपतियों के लिए आरोग्यम हॉस्पिटल दुर्ग के विशेषज्ञ मुंबई की प्रख्यात निःसंतानता एवं आईवीएफ एवं कोसमेटिक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रैनी अग्रवाल अपनी सेवाएं देंगी।

कम शुक्राणु, पुरुष नसबंदी, खराब शुक्राणु, नील शुक्राणु, धीमी गतिशीलता, बंद फैलोपियन, अंडो मे खराबी, अनियमित पिरेड, बांझपन की समस्या, गर्भ से संबंधित समस्या, स्त्रियों से सम्बन्धित संपूर्ण समस्या एवं माहवारी से सम्बन्धित समस्या के निदान हेतु प्रत्येक बुधवार दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आरोग्यम क्लीनिक सतनाम भवन राजनांदगांव एवं फेमस मेडिकल खैरागढ़ में प्रत्येक शनिवार दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक अपनी सेवाएं देंगी। जहां पर पति-पत्नी दोनों की जांच करके समस्या का संपूर्ण इलाज किया जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम जितेन्द्र कुमार कसार है, जो कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। किन्तु मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम जितेन्द्र कुमार दर्ज है, जिसे बदलकर मेरा नाम जितेन्द्र कुमार कसार किया जाए। भविष्य में मुझे जितेन्द्र कुमार कसार के नाम से जाना पहचाना जाए.

शपथकर्ता
जितेन्द्र कुमार कसार
(आ. चंद्र कुमार कसार)
म.नं.-479, वार्ड नं. 40,
सलीम सॉ मिल के पास,
बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.)

स्टेट स्कूल की गर्ल्स ने रॉयल कीड्स कॉन्वेंट द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में फाइनल मैच जीता

लगातार दूसरे वर्ष भी दिल्ली पब्लिक स्कूल को हराकर फूटबॉल मैच में स्टेट स्कूल का कब्जा

राजनांदगांव (दावा)। रॉयल कीड्स कॉन्बेन्ट स्कूल द्वारा आयोजित डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें बॉयस एवं गर्ल्स की टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य भूमिका कोच इमरान सर पी.टी.आई. की रही।

गर्ल्स के फाइनल मैंच में मुख्य मुकाबला स्टेट स्कूल एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें मैंच के दौरान स्टेट स्कूल की गर्ल्स ने दिल्ली पब्लिक स्कूल को 03 शून्य से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। बेस्ट गोलकीपर का इनाम निहारिका बोरकर को दिया गया। बेस्ट गोल्डन बूट का इनाम प्राची मेश्राम एवं गरीमा श्रीवास को दिया गया।

तथा रॉयल कीड्स स्कूल द्वारा बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया। बच्चों को विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ के द्वारा भी सम्मानित किया गया एवं उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। खेलने वालो में मुख्य रूप से खिलाड़ी निहारिका बोरकर, दीपाली साहू, प्राची मेश्राम, गरीमा श्रीवास, नेमिका पाल, दर्षिता वैष्णव, पल्लवी, पल्लवी अम्बादे, जान्हवी अम्बादे, तारणी साहू, मिनाली बर्वे, तान्या, यासिनी इन सभी ने खेल मैदान में जबरदस्त जौहर दिखाकर फाइनल मैच का खिताब अपने नाम किया। यह जानकारी स्टेट स्कूल के व्यायाम शिक्षक सुनील नागदौने ने दी।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार राजनंदगांव
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- राजनांदगांव तहसील- राजनांदगांव प.ह.नं.-00021 पदुमतरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202425420507600005

ईश्तहार

तहसील राजनांदगांव के प.ह.नं. 0021 के अंतर्गत ग्राम पदुमतरा के वर्तमान भूमिस्वामी रूपाबाई पिता/पति- ध.प.- राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल पता-सा.राज. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 909/3 (0.2420) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पायल अग्रवाल पिता/पति- भावेश अग्रवाल पता-पुराना सिविल लाईन के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06/01/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार राजनांदगांव पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/12/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार, श्रीमती सुरेखा वर्मा

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)

धारा 6 (2) देखिये

सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक जगमोहन सोनवानी आ. रूपदास सतनामी उम्र-28 वर्ष निवासी-खोराटोला पोस्ट-रैनुटोला तहसील छुरिया थाना-गैंदाटोला, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) एवं आवेदिका पूजा वर्मा आ. कृष्णा वर्मा जाति-लोधी उम्र-26 वर्ष निवासी-ग्राम चिल्हाटी पोस्ट-ककोड़ी तहसील-देवरी, थाना-चिचगढ़ जिला-गोंदिया (महाराष्ट्र) (पक्षकारों के नाम) से विशेष विवाह अधिनियम 1954 (क्रमांक-4 सन् 1954) के अध्याय दो के अधीन अपने विवाह के आवेदन पत्र पेश किया गया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में पेशी तारीख 10/01/2025 के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

जारी दिनांक :- 06/12/2024
पेशी तारीख :- 10/01/2025

अपर कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी राजनांदगांव (छ.ग.)

शुभांक

अनुमानित

बी. के
3-5-9
677-0 277-6
राजधानी
1-4-7
299-0 189-8

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय मे मामला क्रमांक- 202412095200010

विषय:- ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सनः- 2023-2024
करवारी प.ह.नं. 00022 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार- चंद्रकुमार साहू
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्र कुमार साहू आ. गरीबा साहू जाति तेली सा. करवारी तहसील डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के पुत्री कु. वंदना आ. चंद्र कुमार का जन्म दिनांक 19.06.2011 को स्थान करवारी में हुआ है के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 23.12.2024 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/12/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार डोंगरगढ़

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

राजस्व मामला क्रमांक 202412093700010 अ-6 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज गोसाई आ. स्व. उदयराम, निवासी-शिक्षक नगर वार्ड नं. 10, राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर शहर राजनांदगांव के मोहल्ला स्टेशनपारा स्थित शीट क्रमांक 45 डी, भूखण्ड क्रमांक-193, क्षेत्रफल 112.00 वर्गमीटर जो धारकगण पन्नालाल, मानिकलाल, पंकजलाल सभी आ. स्व. उदेराम, योगिता आ. स्व. मन्नूलाल गोसाई, विविध आ. स्व. यशवंत, सरिता ध.प. स्व. यशवंत गोसाई, कुसुम आ. स्व. उदेराम, निवासी-स्टेशनपारा, राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है, पर दस्तबरदारनामा के आधार पर नामांतरण किये जोन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/ मकान/संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते हैं, पेशी तारीख 19.12.2024 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी

यह उद्घोषणा आज दिनांक 02.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नजूल जांच, राजनांदगांव

न्यायालय नजूल जाँच अधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

राजस्व मामला क्रमांक 202412093700017 अ-6 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष कुमार साहू आ. स्व गनपत राम साहू एवं अन्य, निवासी-दुर्गा चौक, लखोली. राजनांदगांव तहसील व जिला-राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर शहर राजनांदगांव मोहल्ला लखोली स्थित शीट क्र. 77 बी. भूखण्ड क्रं. 4, क्षेत्रफल 101.00 वर्गमीटर जो धारकगण रेखालाल, कृष्णा, हेमराज, संतोष आ. गनपत, शांति. ललता, आशा आ. स्व. गनपत, सुन्दरबाई पति स्व. गनपत साहू, निवासी-लखोली, राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के सहधारक सुन्दरबाई पति स्व. गनपत साहू की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर शेष सहधारकगण का नाम यथावत् रखे जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अत: उक्त भूमि/मकान / संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 23.12.2024 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नजूल जांच, राजनांदगांव

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क 202412095300021 अ/74-वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुचंद पिता धिरऊ जाति धोबी निवासी ग्राम शिवपुरी तहसील डोंगरगढ़ द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि अपने माता बैसाखिन बाई पति धिरऊ का दिनांक 18.12.2010 को ग्राम शिवपुरी में मृत्यु हुआ था जिसका ग्राम पंचायत के जन्म / मृत्यु पंजी में दर्ज नही कराया गया है। आवेदक द्वारा अपने माता बैसाखिन बाई पति धिरऊ का दिनांक 18.12.2010 को ग्राम पंचायत शिवपुरी में मृत्यु दर्ज कराने बाबत् आवेदन पत्र, अनुलब्धता प्रमाण पत्र की प्रति पेश कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया गया है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 27.12.2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़

न्यायालय नजूल जाँच अधिकारी, राजनांदगाँव (छ.ग.)

ईश्तहार

राजस्व मामला क्रमांक 202412093700019 अ-8 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सविता रजक आ. दुलार रजक एवं अन्य, निवासी स्टेशनपारा वार्ड नं. 11, राजनांदगांव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर शहर राजनांदगांव के मोहल्ला स्टेशनपारा स्थित शीट क्रमांक 46 सी, भूखण्ड क्रमांक-16/1, क्षेत्रफल 297.60 वर्गमीटर जो धारकगण प्रकाश आ. भक्तुराम, देवेन्द्र, मनीष दोनो आ. स्व. भगवानी, दशरीबाई ध.प. स्व. भगवानी, हेमीन बाई जौ. धनाजीत, निवासी स्टेशनपारा, राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है. पर पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान/ संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 26.12.2024 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह उदघोषणा आज दिनांक 10.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नजूल जांच, राजनांदगांव

अवैध प्लॉटिंग, कॉलोनियों को अनुज्ञा में मिलीभगत, राज्य स्तरीय समिति से करवाई जाए जांच - जितेन्द्र मुदलियार

राजनांदगांव(दावा)। कांग्रेस नेता जितेंद्र मुदलियार ने नगर निगम क्षेत्र में अवैध कॉलोनीयों, अवैध प्लाटिंग के मामलों पर जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भवन अनुज्ञा और डायवर्सन के मामलों में बड़ी गड़बड़ी की जा रही है।

मुदलियार ने कहा कि संचालनालय नगर एवं ग्राम निवेश द्वारा नगर निगम को नोटिस जारी किया गया है। वर्ष 2023 में आधारित नियमों के विपरीत जाकर निगम के अधिकारियों ने कॉलोनियों को अनुज्ञा जारी की हैं। इससे पहले और अब भी ये खेल किया जा रहा है। मिलीभगत कर निगम के अधिकारियों द्वारा अवैध भूखंडों को विकसित होने देने से शासन को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। यही नहीं भूखंड खरीददारों को भी मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अवैध प्लाटिंग के मामलों में भू खंड के टुकड़ों को अनुज्ञा जारी किए जाने के कई मामले सामने आए हैं। ऐसी ही शिकायत अवैध डायवर्सन को लेकर भी सामने आ रही है।

मुदलियार ने कहा कि राजनांदगांव में सैकड़ों अवैध कॉलोनियां मौजूद है और यहां लगातार अवैध प्लाटिंग के नए मामले बढ़ रहे हैं। कॉलोनाइजर को फायदा पहुंचाने के लिए अवैध डायवर्सन, अनुचित तरीके से अनुज्ञा जारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि, अवैध प्लाटिंग या फिर अवैध तरीके से कालोनियां विकसित कर रहे लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए निगम का प्रशासनिक तंत्र पूर्णता जिम्मेदार है। शहर में 100 से अधिक अवैध कालोनियां विकसित हो चुकी हैं।

इस तरह के मामले को लेकर मुदलियार ने कहा कि, अवैध प्लाटिंग करने वाले कॉलोनाइजर्स और नियमों के प्रतिकूल तैयार कॉलोनी की अनुज्ञा के लिए निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। जिससे कॉलोनाइजर को अनुचित तरीके से लाभ मिल रहा है। निगम क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग की जा रही है। इससे न सिर्फ शहर की सूरत बिगड़ रही है बल्कि राजस्व का बड़ा नुकसान भी हो रहा है। शासन को इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर राज्य स्तरीय समिति से इसकी जाँच करवानी चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के पूर्व बीजापुर मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

बीजापुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ प्रवास के 24 घंटे पहले शुक्रवार की सुबह बासागुड़ा थाना क्षेत्र के लेंड्रा के जंगल में नक्सलियों से हुए मुठभेड़ में सुरक्षा बल ने दो वर्दीधारी नक्सली को मार गिराया है। पुलिस के अनुसार लेंड्रा क्षेत्र में भारी संख्या में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना के बाद केंद्रीय रिजर्व बल (सीआरपीएफ), डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम को अभियान पर भेजा गया था।

लेंड्रा के जंगल में पहुंचते ही नक्सलियों ने जवानों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली वहां से भाग खड़े हुए। घटनास्थल की सर्चिंग पर दो वर्दीधारी नक्सली के शव और स्वचालित हथियार पुलिस को मिले हैं। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद मौके की सर्चिंग करने पर घटनास्थल से 2 नग 12 बोर सिंगल शॉट गन, 1 नग कंट्री मेड गन, वायर, 5 किलो का टिफिन बम, प्रिंटर, नक्सली वर्दी, साहित्य एवं अन्य नक्सली सामग्री बरामद हुई है। घटना में मारे गए नक्सलियों की शिनाख्तगी एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही थाना बासागुड़ा द्वारा की जा रही है।

दो दिन पहले मुनगा में मारा गया था प्लाटून कमांडर

बीजापुर जिले में ही दो दिन पहले सुरक्षा बल ने मुनगा के जंगल में हुए मुठभेड़ में एक वर्दीधारी नक्सली को मार गिराया था। मारे गए नक्सली की पहचान गंगालूर एरिया कमेटी प्लाटून कमांडर पांडू माड़वी के रूप में की गई है।

छत्तीसगढ़ के सभी संभागों में खुलेगा सिम्स, दस लाख तक का इलाज होगा फ्री

रायपुर। प्रदेश के सभी संभागों में एम्स की तर्ज पर सिम्स खोला जाएगा, जिसकी शुरूआत बिलासपुर से हो चुकी है। साय सरकार के पहले डिजिटल बजट में इसका निर्णय लिया गया था। राजधानी के डीकेएस सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल में जल्द ही आर्गन ट्रांसप्लांट की सुविधा भी शुरू होने वाली है।

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के माध्यम से राज्य के 77 लाख 20 हजार परिवारों को पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज मिल रहा है। इसे बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक किए जाने का लक्ष्य है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसके लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।

स्वास्थ्य बजट में 38.5 फीसदी की बढ़ोतरी

पिछले एक साल में स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी से सुधार हुआ है। लोगों को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत विशेष स्थितियों में इलाज के लिए 25 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। बीते नौ माह में करीब 1200 लोगों को 43 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है।

प्रदेश के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान आंबेडकर अस्पताल से मरीजों का दबाव कम करने के लिए परिसर में 231 करोड़ की लागत से 700 बिस्तरीय एकीकृत नवीन अस्पताल भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने स्वास्थ्य बजट 5461 करोड़ को बढ़ाकर 7,563 करोड़ रुपये किया है। स्वास्थ्य बजट में 38.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

मेडिकल कॉलेजों में हिंदी में पढ़ाई

प्रदेश में दस सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। राज्य के युवा बेहतर डॉक्टर बन सकें, इसके लिए नियमों में संशोधन करते हुए सभी मेडिकल कॉलेजों में हिंदी में भी पढ़ाई की शुरूआत की गई है। एमबीबीएस की सीटें भी बढ़कर 1,460 हो गई हैं।

एक साल के भीतर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 291 स्नातकोत्तर की सीटें बढ़ी हैं, जिससे राज्य को विशेषज्ञ चिकित्सक मिल रहे हैं। 650 पदों पर भर्ती के लिए प्रक्रिया जारी है।

पिछले एक साल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा पदों पर कई भर्तियां की गई हैं। बताते चलें कि पिछले एक साल में 126 विशेषज्ञ चिकित्सक, 395 चिकित्सा अधिकारियों, 95 स्टाफ नर्स, 35 एएनएम, 29 लैब टेक्नीशियन, 54 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के अलावा 149 अन्य पदों पर नियुक्तियां की गई हैं।

भगवान श्री कृष्ण की गीता का सनातन संस्कृति में ध्रुव तारे का स्थान है - मीता बहन जी

श्री गीता जयंती पर लालबाग में बही ज्ञान गंगा की धारा ० गीता ज्ञान श्रवण करने बड़ी संख्या में उपस्थित रहे श्रद्धा

राजनांदगांव (दावा)। शहर के लालबाग सिंधी कालोनी स्थित झंडा साहेब में श्री गीता जयंती का कार्यक्रम धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान संत कंवरराम समिति द्वारा बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके पश्चात गायत्री परिवार की मीता बेन ठक्कर के द्वारा श्रीमद भगवद्गीता पर प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज से हजारों वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण द्वारा महाभारत युद्ध के दौरान कहे गए गीता वाणी के संदर्भ में गुढ़ रहस्यों का विवेचन करते हुए श्रीमती मीता बेन ने कहा कि योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण द्वारा कही गई गीता वाणी का सनातन संस्कृति में ध्रूव तारे का स्थान है।

गीता में भगवान कृष्ण द्वारा प्रतिपादित कर्मयोग का विश्लेषण करते हुए उन्होंने कर्म फल के अकाट्य के विधान के में बारे में रामायण का उदाहरण देते हुए समझाया। श्रीमती मीता बेन ने आत्मा और परमात्मा के अटूट संबंध और स्वयं को परमात्मा के बच्चों के रूप में स्थापित करने के लिए अपने चरित्र में व्यक्तित्व में और खास कर विचारों में परिवर्तन की बात लोगों को बताई। उन्होंने बताया कि गीता के 18 अध्याय और 700 श्लोकों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के मुख से निसृत यह ग्रंथ सदा युवा है और वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है। यह ग्रंथ संसार भर का एकमात्र ग्रंथ है जिसमें हम श्री भगवान उवाच कहते हैं। यानि भगवान के श्री मुख से उनका अपना संदेश मानव जाति के लिए.पथ प्रदर्शक है। इसीलिए गीता इतना ज्यादा महत्वपूर्ण ग्रंथ है और सनातन संस्कृति के ध्रुव तारे के रूप में साहित्य जगत और अध्यात्म जगत में अपना एक विशेष स्थान रखता है।

कथाकार बहन श्रीमती ठक्कर के द्वारा गीता जी के श्लोकों का विश्लेषण करते हुए अर्जुन और श्रीकृष्ण के संवाद के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण द्वारा जीवन जीने की कला जो सिखाई गई है, वह वर्तमान समय में कितनी उपयुक्त है, कितनी प्रासंगिक है। इस बात को उन्होंने प्रतिपादित करने का सार्थक प्रयास किया।

इस अवसर पर उन्होंने गीता को विश्व ग्रंथ के रूप में स्थापित करने हेतु सभी मिलकर आवेदन दिए जाने का एक प्रस्ताव भी रखा। इस दौरान गीता ज्ञान श्रवण करने के लिए पूरा हॉल खचाखच भरा हुआ था लोगों ने इस कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की और कहा कि गीता जी का ऐसा विश्लेषण आज तक कभी नहीं सुनने मिला था कुछ ऐसे ही उद्गारों के बीच श्रीमती ठक्कर द्वारा अपनी सहयोगी श्रीमती रुपाली गांधी की संस्कार किट के संबंध में लोगों को बताया इस पर गायत्री परिवार की रूपाली के हाथों बड़ी संख्या में संस्कार किट लेने में रुचि दिखाई। कार्यक्रम के अंत में संत कंवर राम समिति द्वारा भोजन महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट में डॉक्टर जे.बी. सिंह मेमोरियल फुटबॉल कप का हुआ समापन

राजनंदगांव (दावा)। रॉयल किड्स कॉन्वेंट में आयोजित डॉ. जे.बी. सिंह फुटबॉल कप का समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती हेमा देशमुख उपस्थित थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता की पूजा अर्चना एवं डॉक्टर जे. बी. सिंह सर और (पप्पा जी) लाल शंकर बहादुर सिंह की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर मार्शल टॉर्च हुआ तत्पश्चात मैच आरंभ किया गया। इस टूर्नामेंट में विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया और एक दूसरे के साथ मिलकर खेल के माध्यम से सीखा।

बालक वर्ग में वाईडनर मेमोरियल स्कूल बॉयज और रॉयल किड्स कॉन्वेंट (बॉयज़) के बीच रोमांचक मैच हुआ, जिसमें वाईडनर ने 0-1 से मैच जीता। बालिका वर्ग में स्टेट स्कूल और डीपीएस के बीच एक अन्य रोमांचक मैच हुआ, जिसमें स्टेट स्कूल ने 0-3 से मैच जीता। दोनों मैच में दोनों टीमों ने अपनी पूरी क्षमता के साथ खेला और एक यादगार मैच देखने का अवसर दिया।

इस अवसर पर जीतने वाली टीम को कैश अवार्ड एवं शील्ड से नवाजा गया तथा श्रेष्ठ खिलाड़ियों को गोल्डन बूट्स, गोल्डन ग्लव्स और गोल्डन बॉल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती हेमा देशमुख ने कहा, यह टूर्नामेंट छात्रों को खेल के माध्यम से सीखने और एक दूसरे के साथ मिलकर खेल भावना से खेलने का अवसर प्रदान कर रहा है जिसमें हार और जीत कोई मायने नहीं रखती दोनों चीजें बराबर होती है उन्होंने यह भी कहा कि मैं इस टूर्नामेंट के आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई देती हूं। उन्होंने रेफरीज एवं आयोजकों की प्रशंसा की कि आयोजक शाला ने निर्णय को पूर्ण निष्पक्ष एवं पारदर्शी रखा। शुरू से लेकर अंतिम मैच तक कहीं भी जरा भी पक्षपात नहीं किया गया।

इस अवसर पर शाला के उपाध्यक्ष अशोक चौधरी ने बच्चों को समझाइश देते हुए कहा, खेल हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमें अनुशासन, टीम वर्क और जीत की भावना सिखाता है। मैं आप सभी बच्चों को बधाई देता हूं जिन्होंने इस टूर्नामेंट में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रॉयल किड्स कॉन्वेंट के एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल अभिषेक खंडेलवाल ने कहा, हमें यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि छात्रों ने इस टूर्नामेंट में इतना उत्साह और जोश दिखाया है। यह टूर्नामेंट न केवल छात्रों को खेल का आनंद लेने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें एक दूसरे के साथ मिलकर खेल के माध्यम से सीखने का भी अवसर प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर शाला की अध्यक्षा श्रीमती डॉक्टर सविता जे.बी.सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह बोर्ड मेंबर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती इला सिंह डॉ. स्वर्णा सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, बरसर आई.के. वैष्णव, श्रीमती सुषमा शुक्ला, श्रीमती एकता खंडेलवाल, श्रीमती यामिनी साहू एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन हेडमिस्ट्रेस सरिता सिंह सृष्टि सिन्हा एवं आँचल सिंह ने किया। सभी ने बच्चों को उनकी सफलता पर बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

सिर दर्द, माइग्रेन, कमर दर्द, मिर्गी, लकवा, साइटिका तथा अन्य गंभीर रोगों के विशेषज्ञ राजनांदगाव में

राजनांदगांव (दावा)। जिले के मरीजों को अब अपने इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि अब राजनांदगांव में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं आरोग्यम सुपर स्पेशलिटी क्लीनिक राजनांदगांव में उपलब्ध होगी। इससे लोगों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी एवं वे स्थानीय स्तर पर ही इलाज पा सकेंगे। नस, मस्तिष्क एवं स्पाइन रोगों के विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप सिंह आज क्लीनिक में उपलब्ध रहेंगे। जो सिर दर्द, ब्रेन ट्यूमर, पैरालाइसिस, दिमाग में खून जमना, नस फटना, दिमाग में चोट, पैरों मे जलन, सुन्नपन लगना, रीढ़ की हड्डी में चोट, घुटनों मे दर्द, सर्वाइकल या गर्दन मे दर्द, कमर दर्द या साइटिका, मिर्गी या बार-बार दौरे पड़ना, याददास्त का कम होना या जाना, नसों की कमजोरी, हाथ एवं पैरों में सुन्नपन, झनझनाहट, पार्किनसन इत्यादि गंभीर रोगों का इलाज करेंगे। आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी क्लीनिक में किडनी प्रोस्टेट पथरी, मूत्र, कान, नाक, गला, निसंतानता एवं कॉस्मेटिक गायनेकोलॉजिस्ट तथा चर्म रोग विशेषज्ञ समय-समय पर अपनी सेवाएं देते रहते हैं।

विकास पुरुष डॉ. रमन सिंह ने लोगों का एक बार फिर दिल जीता, विभिन्न कार्यो के लिए दिया करोड़ों की सौगात

पूर्व पार्षद दीपक चौहान ने डॉ. सिंह का जताया आभार

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व नांदगांव के लोकप्रिय विधायक व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सिंह को पाकर राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र सचमुच ही धन्य हो गया है।

उक्त उद्गार व्यक्त करते हुए मोतीपुर के पूर्व पार्षद दीपक चौहान ने व्यक्त की है तथा कहा है कि डॉ. सिंह अपने 15 वर्ष मुख्यमंत्रित्वकाल में संस्कारधानी नगरी को एक से बढ़कर जहां वैकासिक उपलब्धि दी वहीं अब भी अपने विधायकी क्षेत्र को नित नई सौगात देने से पीछे नहीं हट रहे हैं। अभी फिर नांदगांव के विकास के लिए अधोसंरचना मद से 8 करोड़ 60 लाख की राशि स्वीकृत किए हैं। जिससे सड़क नाली पुल-पुलिया और सौंदर्यीकरण के मार्ग प्रशस्त होंगे।

पूर्व पार्षद श्री चौहान ने बताया कि पिछले दिनों डॉ. सिंह ने क्षेत्र के विकास के लिए इस प्रकार से और राशि उपलब्ध कराई थी। इससे राजनांदगांव के विकास कार्यों की गति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के अपने मुख्यमंत्रित्व काल में राजनांदगांव को अंतरराष्ट्रीय हाकी स्टेडियम, व्हाइट हाउस की तरह नये कलेवर में दिग्विजय स्टेडियम, मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हाईटेक बस स्टैंड, पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर आडिटोरियम, कृषि कालेज आदि उनके खाते में क्या-क्या उपलब्धि नहीं है। यही वजह है कि डॉ सिंह को राजनांदगांव की जनता बार-बार भारी बहुमत से जिताते आ रही है। बहरहाल डॉ. सिंह द्वारा राजनांदगांव में 8 करोड़ 60 लाख रुपए की विकास कार्यों की मंजूरी देकर अपने संरक्षक होने का दायित्व निभाया है, वहीं इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व राजस्व मंत्री टेकराम वर्मा का आभार जताकर डॉ. सिंह ने संस्कारधानी नगरी की कृतज्ञ होने के संस्कारों का परिचय दिया है।

भगवान गौतम बुद्ध प्रवेश द्वार निर्माण हेतु ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव (दावा)। दिनांक 13 दिसम्बर 2024 को आम्बेडकर सेवा समिति के अध्यक्ष प्रतीक मेश्राम एवं संघमित्रा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रतिमा वासनिक एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा भगवान गौतम बुद्ध प्रवेश द्वार पुराने स्टेट बैंक के पास निर्माण कराये जाने के संबंध मे श्रीमती हेमा मुदेश देशमुख महापौर नगर पालिक निगम के निवास में सूर्यकांत जैन के सहयोग से ज्ञापन सौंपा गया। महापौर द्वारा भगवान गौतम बुद्ध प्रवेश द्वार का यथाशीघ्र निर्माण कराये जाने हेतु आश्वस्त किया गया।

किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं, अंतर की राशि एकमुश्त मिलेगी- द्विवेदी

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने ढारा, भंडारपुर, मुड़ीपार, गोटाटोला धान उपार्जन केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया

डोंगरगढ़ (दावा)। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक डायरेक्टर शशिकांत द्विवेदी ने विगत दिनो खैरागढ़ जिला , राजनांदगांव व मोहला मानपुर जिला के धान उपार्जन केंद्र ढारा, भंडारपूर ,मुड़ीपार ,गोटाटोला का आकस्मिक निरीक्षण करके उपार्जन केंद्रों में धान बेचने वाले किसानों से चर्चा की । किसानों ने धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी होने से साफ इनकार करते हुए कहा कि किसानों को धान बेचने में पहले ऑनलाइन टोकन के चलते परेशानी होती थी किन्तु अब ऑफलाइन होने से किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उपार्जन केंद्रों में ही 10 हजार रु तक का भुगतान होने से छोटी-मोटी समस्याओं का स्थल पर निराकरण हो रहा है । श्री द्विवेदी ने किसानों को आश्वस्त किया कि कांग्रेसियों के बहकावे में नहीं आना है ।प्रदेश की विष्णुदेव सरकार किसानों का 21 कुंटल प्रति एकड़ धान ले रही है ।किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है । श्री द्विवेदी ने यह भी आश्वस्त किया कि धान के अंतर की राशि एकमुश्त किसानों को मिलेगी । पूर्व में कांग्रेस सरकार 2500 रु प्रति कुंटल के हिसाब से धान खरीदी का वादा की थी परंतु कभी भी 2500 रुपए के हिसाब से धान खरीदी नहीं किया गया। श्री द्विवेदी ने कांग्रेसियों को आड़े हाथों लेते हुए कहां कि वह दिन भूल गए जब किसानों से वर्मी कंपोस्ट के नाम पर जबरन वसूली और भ्रष्टाचार किया जाता था । वहीं गिरदावरी के नाम पर रकबा कटौती की जाती थी। चार किस्तों में अंतर की राशि का भुगतान किया जाता था। यह सभी मुद्दे ऐसे थे जिससे किसान काफी परेशान थे । श्री द्विवेदी ने कांग्रेसियों को याद दिलाते हुए कहा कि 2018.19 में कांग्रेस सरकार में धान का समर्थन मूल्य 1550 से बढ़कर 1750 हो गया तथा 2022-23 तक धान का समर्थन मूल्य बढ़कर 2040 हो गया। इस प्रकार कांग्रेस के शासनकाल में ही धान के समर्थन मूल्य में 5 साल में लगभग ?500 की वृद्धि हो गई थी किन्तु कांग्रेस सरकार ने तो बढ़े हुए समर्थन मूल्य पर कभी भी भुगतान नहीं किया।मैं पूछना चाहता हूं कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 2500 का समर्थन मूल्य देने का वादा किया था जिसे पूरा नहीं किया। तो किसान हितैषी का ढिंढोरा पीटने वाले कांग्रेसियों से पूछना चाहता हूं कि तत्सम में किसानों के हित में 500 रु. की वृद्धि प्रति क्विंटल क्यों नहीं की किसानों के साथ 5 वर्षों तक धोखा करने वाले कांग्रेसी गण आज भी किसानों के हितैषी बनने का छलावा क्यों कर रहे हैं?

श्री द्विवेदी ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में हमेशा काम करती रहेगी। किसानों के धान का एक-एक दाना खरीदी होगी तथा 3100 प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि दी जाएगी। 3716 करोड़ रुपए भाजपा सरकार ने पिछले बकाया बोनस को भी किसानों को दिया जिसे कांग्रेस ने किसानों को देने का वादा किया था लेकिन नहीं दिया। धान खरीदी केन्द्रों के निरीक्षण अवसर पर प्रमुख रूप से उदयलाल वर्मा, नरोत्तम सिन्हा, संतोष, रामप्रवेश शुक्ला आदि उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नागपुर मंडल में विभिन्न स्टेशन विकास और ओएचई संशोधन कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

1. निविदा सूचना क्र.: GSU-EL-TRD-2024-25-08 दिनांक: 10.12.2024
कार्य का नाम: द.पू.म. रेलवे, नागपुर मंडल में अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित रेलवे स्टेशनों कामठी, भंडारा रोड, तुमसर रोड, गोंदिया, राजनांदगांव, छिंदवाड़ा, सिवनी, नैनपुर और मंडला फोर्ट पर फसाड लाइटिंग।
निविदा मूल्य: ₹ 2,18,33,850/-
बिड सिक्युरिटी राशि: ₹ 2,59,200/-

2. निविदा सूचना क्र.: GSU-EL-TRD-2024-25-02 दिनांक: 09.12.2024
कार्य का नाम: नागपुर मंडल पर निम्नलिखित ROB, LROB और ROB / LHS पर प्रस्तावित ओएचई संशोधन - समपार क्रमांक BK-25 के कि.मी. 1059/8-9 (BTC-WRI), 468 के कि.मी. 912/9-11 (MUA-BAKL) पर, 469 के कि.मी. 915/19-21 (MUA-JTR) पर, BK-09 के कि.मी. 1048/0-1 (BTC-WRI) पर, 473 के कि.मी. 925/7-9 (JTR-DGG) पर, 472 के कि.मी. 922/25-27 (JTR-DGG) पर, 477 के कि.मी. 933/23-25 (DGG-PJB) पर, 535 के कि.मी. 1056/27-29 (TMR-K) पर, 466 के कि.मी. 909/13-15 (BAKL-MUA) पर, 501 के कि.मी. 986/9-11 (AGN-GDM) पर, 451 के कि.मी. 88/18-20 (RSM-MUP) पर, BK-60 के कि.मी. 1085/3-4 (BTC-KGE) पर, BK-52 के कि.मी. 1078/9-10 (BTC-KGE) पर, 512 के कि.मी. 1010/13-15 (G-GJ) पर, 482 के कि.मी. 952/13-15 (DKS-SKS) पर, 505 के कि.मी. 994/27-29 (GDM-G) पर.
निविदा मूल्य: ₹ 33,04,934/-,
बिड सिक्युरिटी राशि: ₹ 66,100/-
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा की अंतिम तिथि: निविदा क्र. 1: दि. 01.01.2025, निविदा क्र. 2: दि. 03.01.2025 - दोनों 15:00 बजे तक, उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
मंडल विद्युत अभियंता - GSU,
FL/37/165 **दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर**
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

छत्तीसगढ़ के लोकतंत्र सेनानियों ने मध्यप्रदेश की तर्ज पर सम्मान की अपेक्षा मुख्यमंत्री से की- मनोज निर्वाणी

० पर्यटन विभाग में मिले विशिष्ट अतिथि का दर्जा
० छत्तीसगढ़ परिवहन में यात्रा की छूट मिले
० सरकार द्वारा द्वारा कम मूल्य पर जमीन उपलब्ध कराया जाए

राजनांदगांव (दावा)। लोकतंत्र प्रहरी मनोज निर्वाणी ने बताया कि लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने के नेतृत्व में आज प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी से भेंट कर प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को अपने अल्प से कार्यकाल में प्रदान किए गए भावपूर्ण सम्मान हेतु आभार व्यक्त किया।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिवाकर तिवारी राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री दत्ता त्रिपुरवार, बिलासपुर जिला अध्यक्ष श्री सुनील पुराणिक, प्रदेश कार्यालय मंत्री संतोष शर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि वर्ष 2008 से लोकतंत्र सेनानियों को जो सुविधाये व सम्मान मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदान किया जाता रहा है वह सभी छत्तीसगढ़ में भी यथावत वृद्धि कर प्रदान किया जाता रहा है।

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम अग्रेषित ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री को प्रदान करते हुए प्रदेश के सेनानियों ने मुख्यमंत्री से अपेक्षा की है कि प्रदेश के सेनानियों के हितों को सदैव सुरक्षित रखे जाने हेतु मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ÷छत्तीसगढ़ लोकतंत्र सेनानी सम्मान अधिनियम÷ बनाया जावे। उसी प्रकार मध्य प्रदेश व हरियाणा सरकारों के तर्ज पर प्रदेश के सेनानियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया जाए। जिस प्रकार मध्य प्रदेश शासन द्वारा आपातकाल 1975 में एक माह से कम कालावधि के लिए निरुद्ध रहे सेनानियों को रुपए 10000/- तथा एक माह या एक माह से अधिक कालावधि के लिए निरुद्ध रहे सेनानियों को रू 30000/ तीस हजार प्रति माह की दर से सम्मान निधि की पात्रता है उसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ के छत्तीसगढ़ के मिसा बंदियों को भी सम्मान निधि प्रदान की जावे।.लोकतंत्र सेनानियों ने कहा है कि पर्यटन विभाग के सभी इकाइयों में सेनानियों को अति विशिष्ट अतिथि का दर्जा प्रदान कर भोजन । ठहरने हेतु 40त्न छूट मध्य प्रदेश के तर्ज पर प्रदान की जावे। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के तर्ज पर राज्य के लोकतंत्र सेनानियों को नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ भवन में एक कैलेंडर वर्ष में 30 दिन निशुल्क ठहरने की सुविधा प्रदान की जावे।

मध्यप्रदेश के पैटर्न पर छत्तीसगढ़ के सर्किट हाउस एवं विश्राम गृहों में सेनानियों को तीन दिन ठहरने की अनुमति और शुल्क में 50त्न छूट प्रदान की जावे। उपासने ने निवेदन किया कि छत्तीसगढ़ के सेनानियों के वाहनों को प्रदेश के टोल नाकों पर छूट प्रदान की जावे ।

प्रदेश के उन सेनानी परिवारों व सेनानियों को आपातकाल में कांग्रेस शासन ने वैचारिक विरोधियों के रूप में गिरफ्तार कर मीसा व डी आई आर के अलावा अन्य धाराओं में गिरफ्तार कर प्रताड़ित कर जेलों में डाला या थानों में ही प्रताड़ित कर छोड़ दिया गया। ऐसे योद्धाओं का भी शासन स्तर पर सम्मान हो यह विचारधारा का सम्मान होगा। सेनानियों ने पुर्जी रूप से यह मांग किया है कि आपातकाल के अत्याचारों की यादों को समाज में चिरस्थाई बनाने एवं रखने के लिए आपातकाल 1975 के संघर्ष व यातनाओं को प्रदेश के पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की घोषणा की जावे। मध्य प्रदेश के तर्ज पर लोकतंत्र सेनानियों के बच्चों को उद्योग के लिए प्रशिक्षण रोजगार की व्यवस्था शासन द्वारा की जावे तथा लोकतंत्र सेनानियों को फोटो युक्त परिचय पत्र जारी किया जावे एवं लोकतंत्र सेनानियों को नया रायपुर में कम दरों पर भूखंड आवंटित किया जावे। इस प्रकार के मांगे आज सेनानी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखी है।

उपासने ने मांग की कि शासन स्तर पर 'छत्तीसगढ़ में आपातकाल' का एक संदर्भ ग्रंथ प्रकाशित किया जावे, जिसमें छत्तीसगढ़ की जेलों में इक्कीस माह तक निरुद्ध रहे मीसा बंदियों, सत्याग्रहियों का जीवन परिचय व संस्मरण प्रकाशित किए जाएं। इस हेतु शासन स्तर पर एक समिति का गठन कर आपातकाल की पचासवीं वर्षगांठ पर 'आपातकाल योद्धा' के नाम से उसका प्रकाशन किया जावे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी ज्ञापन को गंभीरता से पठन के बाद आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

अनमोल दावा

जो मनुष्य फल की इच्छा का त्याग करके केवल कर्म पर ध्यान देता है, वह अवश्य ही जीवन में सफल होता है।

बिखराव की ओर जाता विपक्षी गठबंधन, आईएनडीआईए की हालत पहले से भी खराब

दरअसल अपनी-अपनी जमीन खोने का डर सभी घटकों को है। इसीलिए लगभग सभी दल इस पर एकमत हैं कि गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस के हाथों से निकले। यह उठापटक दर्शाती है कि बेमेल और अवसरवादी गठबंधन की उम्र लंबी नहीं होती। कांग्रेस सिर्फ अपने विस्तार के प्रति समर्पित दिखती है और यही मंसूबा क्षेत्रीय दलों को सशंकित किए हुए है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे आईएनडीआईए में मची उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर ही शायद नीतीश कुमार ने उससे किनारा किया था। यह एक तथ्य है कि नीतीश कुमार ही आईएनडीआईए के निर्माता-निर्देशक थे। उन्होंने इस गठजोड़ की पहल हिसार में 25 सितंबर 2022 को की थी।

हिसार में चौधरी देवीलाल की जन्म-जयंती के अवसर पर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, सीताराम येचुरी, डी. राजा और ओमप्रकाश चौटाला आदि उपस्थित थे। उस समय विपक्षी दलों की दशा-दिशा कमोबेश वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से मेल खाती थी। टीएमसी, सपा, आम आदमी पार्टी समेत कई दल कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को आवश्यक मानते थे। उन्होंने कांग्रेस के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प को नकार कर उसकी स्वीकार्यता पर जोर दिया। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ सोनिया और राहुल गांधी से भेंट कर अपनी मुहिम को अंजाम तक पहुंचाया।जब छह महीने गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व रहस्यमय चुप्पी साधे रहा तो अंततः नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पृश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। पटना में प्रधानमंत्री पद के लिए किसी पार्टी के नेता को मनोनीत करने के बजाय सामूहिक नेतृत्व में कार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।नीतीश कुमार पीएम पद के लिए पहली पसंद थे, लेकिन वह कहीं गठबंधन के संयोजक न बन जाएं, इस भय से ग्रस्त कांग्रेस ने बेंगलुरु और मुंबई की बैठकों की पहल अपने हाथों में ले ली और फिर दिल्ली में ममता बनर्जी की ओर से नीतीश कुमार के संयोजक बनने पर सवाल उठाकर विपक्षी एकता को विफल किया। जब गठबंधन को सक्रिय करने के लिए कोई कदम नहीं उठे तो नीतीश कुमार उससे बाहर आ गए।

एनडीए से इतर उनके द्वारा किया गया एक और प्रयोग असफल रहा था। यह प्रयोग 2015 के विधानसभा चुनाव के अवसर पर किया गया, जिसमें जदयू, राजद, सपा, जनता दल (एस) आदि की एकता कराकर कारगर विपक्ष बनाने का था। नए दल का नाम, नेता का चयन और चुनाव चिह्न आदि पर सर्वानुमति बन चुकी थी और यह तय हो गया था कि मुलायम सिंह यादव की अध्यक्षता में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरा जाएगा, लेकिन ऐन चुनाव के मौके पर सपा ने स्वयं को अलग कर लिया।

अविश्वास, वैचारिक अंतर्विरोध एवं गला काट प्रतिस्पर्धा के चलते आईएनडीआईए की हालत पहले से भी खराब है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस को असफल मानकर गठबंधन के नेतृत्व के लिए स्वयं को उपयुक्त माना है। सपा, एनसीपी, आप और राजद ने भी उनके नेतृत्व को स्वीकार्य माना है। वामपंथी दलों का ममता विरोध जगजाहिर है। बंगाल में वाम मोर्चा और कांग्रेस में घमासान जारी है। यहां इसका उल्लेख आवश्यक है कि सपा, राजद, एनसीपी, शिवसेना-यूबीटी, द्रमुक, टीएमसी, वाईएसआर कांग्रेस, जेडीयू, आप और यहां तक कि वाम दलों को प्राप्त हुआ जनाधार कांग्रेस पार्टी से छीना हुआ है। भाजपा एकमात्र दल है जो अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं क्षेत्र बनाने में सफल रही है।

विपक्षी गठबंधन के बीच ताजा विवाद उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में अधिक है। पिछले लोकसभा चुनाव में पिता मुलायम सिंह से भी अधिक सीटें प्राप्त कर अखिलेश यादव का जोश सातवें आसमान पर है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस द्वारा उपेक्षित होकर वह पिता के पदचिह्नों पर चलते दिख रहे हैं, जो इस पक्ष में कभी नहीं रहे कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में फले-फूले। यह मुलायम सिंह ही थे, जिन्होंने 1999 में सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया था।प्रारंभिक दिनों में लालू-नीतीश की जोड़ी ने भी बिहार में कांग्रेस को हाशिए पर पहुंचाने में कामयाबी हासिल की। बाद में लालू के लिए कांग्रेस अनिवार्य हो गई। आईएनडीआईए में खींचतान के बीच रामगोपाल यादव का यह वक्तव्य महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी गठबंधन के नेता नहीं हैं। संसद में भी सपा और कांग्रेस की राहें जुदा दिखती हैं। सपा और टीएमसी को अदाणी प्रकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण संभल की घटना दिखती है।कांग्रेस द्वारा स्वयं को सेक्युलर एवं सामाजिक न्याय की एकमात्र पार्टी प्रचारित करना भी सपा, राजद सरीखी पार्टियों को अखर रहा है। महाराष्ट्र के घटनाक्रम ने गठबंधन की खाई को और चौड़ा कर दिया है। महाराष्ट्र सपा ने खुद को महाविकास आघाड़ी से अलग कर लिया है। महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने शिवसेना को भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक कहा है। इसके जवाब में शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने सपा को भाजपा की बी टीम करार दिया।

मातृभाषा से अन्य भाषा तक

भारतीयता की विशिष्ट पहचान को पुनर्जीवित करना

धर्मेन्द्र प्रधान (केन्द्रीय मंत्री)

भारतीय भाषा उत्सव, हमारी विविध भाषाई विरासत को मनाने और 11 दिसम्बर को श्रद्धेय महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर 4 से 11 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है। एक सप्ताह का उत्सव वर्तमान में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उत्कृष्ट भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है।

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, ''मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। अगर श्रोताओं को तालियाँ बजाने में थोड़ा समय लगे, तो लगे।' यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती हैं। यह एक से अधिक भाषा के उत्कृष्ट इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे ''मैकालेज मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन'' के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राइमर घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें ''मातृ'' भाषा से ''अन्य'' भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्मिक रूप से कहा था, ''एक बच्चा पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि अपनी माँ से बोलना सीखता है।'' मातृभाषा में शिक्षा बुनियादी समझ से लेकर जटिल विचार तक स्वाभाविक प्रगति को बढ़ावा देती है।

भारत की भाषाई विविधता बौद्धिक और सांस्कृतिक संपदा का खजाना है। कश्मीर की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर कन्याकुमारी के धूप से सराबोर तटों तक और कच्छ के बंजर विस्तार से लेकर कोहिमा की हरी-भरी पहाड़ियों तक, हमारी भाषाएँ हमारे लोगों को अंदर से जोड़ती हैं। बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना न केवल उनकी विरासत से जुड़ाव को बनाए रखता है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार भी करता है। मातृभाषा में एक मजबूत नींव रखकर, हम बच्चों को अधिक आसानी और समझ के साथ अन्य भाषाओं और विषयों में महारत हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह अपनाया है। अपनी भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने की कोशिश करते हुए, एनईपी ने मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के केन्द्र में रखा है, यह स्वीकार करते हुए कि भाषा केवल सीखने का एक साधन नहीं है, बल्कि पहचान को आकार देने, आत्मविश्वास का निर्माण करने और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने का एक मुख्य घटक है।

एनईपी 2020 बेहतर शिक्षण परिणामों के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण और अध्ययन सामग्री तक समान पहुंच को आवश्यक बनाता है। यह शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से देश की विविध भाषाई विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के संदर्भ में, संयोजन पर विशेष जोर देता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के भाषा संगम कार्यक्रम और मशीन अनुवाद केन्द्र से लेकर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा कई भारतीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तकों सहित पुस्तकों के अनुवाद ऐप आधारित अनुवाद से लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय भाषा समिति द्वारा अस्मिता - अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन - पहल तक, शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए अच्छी तरह से प्रयास किए गए हैं।

इसके अलावा, 79 भारतीय भाषाओं में प्राइमर तैयार करने की सरकार की अभूतपूर्व पहल एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में शुरुआती वर्षों के दौरान बच्चों को उनकी मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। ये प्राइमर, अन्य शैक्षिक सामग्रियों के साथ, सिर्फ़ संसाधन से कहीं ज़्यादा हैं - ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने के प्रवेश द्वार हैं।

भाषा हमारे विचारों को आकार देती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करती है और हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। एनईपी 2020 एक नए युग की शुरुआत है, जहाँ बच्चे अपनी मातृभाषा में सीख सकते हैं और धीरे-धीरे अन्य भाषाओं में महारत हासिल कर सकते हैं। अपनी शिक्षा प्रणाली को उपनिवेशवाद से मुक्त करके, हम विचारकों की एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करना चाहते हैं जो न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करे बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी आगे बढ़ाए। यह परिवर्तन केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं है - यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतिनिधित्व करता है।

जब हम भविष्य की ओर देखेंगे, शैक्षिक उत्कृष्टता और सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक उन्नति भारत की भाषाई विविधता का आधार होगी। इस अमृत काल में, जब हम विकासशील भारत के एजेंडे पर काम कर रहे हैं, हमारी मातृभाषाएँ विकास के शक्तिशाली साधन बनने के लिए तैयार हैं। आइए हम अपनी भाषाई विरासत को अपनी प्रगति का आधार बनाएँ, क्योंकि भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा है।

एमजी/केसी/केपी

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम - 341 : श्रमवीर केवट ने की भगवान श्री राम के चरण पखारने की जिद

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

''ऐसा क्यों भाई?'' श्री राम ने पूछा।

केवट ने बड़ी सहजतापूर्वक उत्तर दिया, ''क्या आपकी महानता का गुरुत्व यह नौका उठा पाएगी? आपके स्पर्श से महर्षि गौतम के आश्रम में शिला चैतन्य हो गई थी और उसने ऋषि पत्नी अहल्या का रूप धारण कर लिया था। मैंने सुना था कि उस आश्रम में अहल्या सूक्ष्म रूप में वास करती थीं। उनकी चेतना उस पत्थर में ही घनीभूत थी। मेरी नाव के साथ न जाने क्या होगा प्रभु?''

''अच्छा?'' उत्सुकतापूर्वक सुनते हुए सीताजी ने कहा।

केवट ने अपनी चिंता व्यक्त करना जारी रखते हुए कहा, ''एक संभावना यह है कि यह नाव ही सजीव हो जाए। तब न जाने यह क्या बन जाए? कोई बड़ा पशु, कोई विशालकाय पक्षी या फिर ऋषि पत्नी अहल्या की तरह कोई सुंदर नारी। देवी, अगर ऐसा हो गया तो मेरे परिवार के पालन पोषण के लिए एक और सदस्य की वृद्धि हो जाएगी।''

लक्ष्मण जी ने किंचित रोष के साथ कहा, ''यह तुम कैसी अटपटी बातें कर रहे हो? अहल्या शापित थीं और गौतम ऋषि का वह आश्रम दिव्य ऊर्जा से युक्त था। तुम अपनी तुलना गौतम ऋषि से कर रहे हो?''

''नहीं राजकुमार! मैं तुलना नहीं कर रहा हूं पर मैं यह चाहता हूं कि मेरी नाव के साथ भी वैसा ही कुछ घटित ना हो जाए,जो गौतम ऋषि के आश्रम में हुआ था।'' केवट ने चतुराई से उत्तर दिया।

श्री राम ने कहा, ''समझ गया। पर क्या इसका कोई उपाय है?''

''अवश्य एक उपाय है राजकुमार!'' केवट ने कहा।

''तो पहेलियां बुझाने के स्थान पर शीघ्र कहो क्या उपाय है? लक्ष्मण जी ने पूछा।

''आपके इस नौका पर आरूढ़ होने के पूर्व मैं आपके चरण पखारना चाहता हूं।'' केवट ने निवेदन किया।

''श्रमवीर! तुम्हारी भावना उदात्त है परंतु सम्मान तो तुम्हारा होना चाहिए। मैं तो तापस व्रत पर हूं। अतः मैं तुमसे यह कार्य कैसे करा सकता हूं?'' श्री राम ने समझाने का प्रयत्न किया।

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा संस्कृत साहित्य में आदि कवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री राम के जीवन के विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -265

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 264 का हल

सू- दोकू क्र.265

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.264 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सामयिक चर्चा

उपकार का बदला

खबर पढ़कर बानी बोले
''उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़
जो राज्यसभा के सभापति भी है,
उनके बारे में कांग्रेस के राष्ट्रपति अध्यक्ष
मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है गजाधर !
कि सभापति अपने अगले प्रमोशन (राष्ट्रपति)
के लिए सरकार के प्रवक्ता बनकर
काम कर रहे हैं।''
वे आगे कह रहे है
कि सभापति दूसरों को
सबक सिखाते है और स्वयं
व्यवधान उत्पन्न करते है।
इसके बाद खड़गे जी कहते है -
सदन बंद करने की कोशिश
सत्ता पक्ष और सभापति की ओर से
ज्यादा होती है।
इस तरह मल्लिकार्जुन खड़गे ने
लगाया गंभीर आरोप
जगदीप धनखड़ पर।
तो गजाधर! हमें उत्सुकता है
कि इस पर आपकी
प्रतिक्रिया क्या होती है ?
गजाधर मुस्कराए, बोले बानी !
यह मानवीय सिद्धांत तुम भी मानते हो -
जो हम पर उपकार करते हैं
हम उनकी तरफ रहते हैं।
अब देखो, धनखड़ जी को
उपराष्ट्रपति किसने बनाया,
यह तुम भी जानते हो।
तो बस, अब समझ आ गया न यार !
सभापति धनखड़ जी का व्यवहार।

गिरीश बख्शी

कविता

देवता और चोर

पहले दुकानों में लिखा होता था,
''ग्राहक भगवान है''
तो देवता जैसी फिलिंग आती थी..
अब लिखा होता है,
''आप केमरा के निगरानी में है''
तो अब चोरों जैसी फिलिंग आती है..।।
जिनका ''स्वभावै''अच्छा होता है..
उन्हें कभी ''प्रभाव'' दिखाने की
जरूरत नहीं होती है।
मुस्कराना, प्रशंसा करना .....
सहयोग करना और ''क्षमा'' करना...
सुखी जीवन के ''मूलमंत्र'' है !
दान पुण्य के बिना धन-संपत्ति
का कोई महत्व नहीं है .....
धन तब ही धर्म लाभ देता है
जब हम इसे धर्म के सेवा के
परमार्थ के कार्य में लगाते हैं !
यदि आप में किसी भी
बुरी आदत, व्यक्ति या वस्तु को
एक ही क्षण में त्यागने की
क्षमता नहीं है तो यकीनन आप
जिंदगी में कुछ भी बढ़ा नहीं
कर सकते!!

अज्ञात

राशिफल

मेष

आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी।आप अपना नया व्यापार शुरु करेंगे, आप काम पूरे मन से करेंगे। कोई नया अनुभव आप को मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा , आपका सम्मान भी बढ़ेगा।आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

वृष राशि

आज का दिन आपका बहुत बढ़िया रहेगा,मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों को छुएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा।आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा।आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगो से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे।

मिथुन

आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी तथा आप खुद को ऊर्जावान तथा सकारात्मक महसूस करेंगे। आपकीं आय के नए स्त्रोत बनेंगे।

कर्क

आज का दिन सुखमय रहेगा।आप में साहस बढ़ेगा और साहसपूर्ण काम करने में सक्षम रहेंगे। आपको गृह भूमि का लाभ मिलेगा। प्रभावशाली काम को करने का अवसर मिलेगा।जिन्दगी में कोई नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा।धैर्य से काम करना होगा , जिससे काम का पूरा रिजल्ट मिलेगा।

सिंह

आज आपका दिन खुशियाँ लायेगा।आप घर पर लोगो के साथ अपना मत रखेंगे और अच्छा फल मिलेगा।संतान के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। पेट की समस्या के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से आप मिलेंगे,जिससे आपको कुछ राहत मिले।आपको व्यापारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा।

कन्या

आज आपका दिन और अधिक खुशनुमा रहेगा।आप एक नयी दिशा में अपना काम करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार दोस्तों से करेंगे, आपको अच्छी सलाह मिलेगी।अन्न-धन में बढ़ोत्तरी होगी।आप जिस पद पर कार्यरत है उस पद से पदोन्नति होगी। नयी दिशा में काम करेंगे जिससे आपकी योजना को बढ़ावा मिलेगा।

तुला

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है।नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है , उन्हें काम से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।आज गुस्से की बजाए शांति से समस्या सुलझाएं, क्युकी घर की व्यवस्था उचित बनाए रखने में आपसी सामंजस्य होना बहुत जरूरी है।

वृश्चिक

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है।आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा।आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियाँ बढ़ेगी।आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा। जिससे समस्या का समाधान भी मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त रहेंगे।

धनु

आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच समंजास्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यवसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है। साथ ही कर्मचारियोंतथा स्टाफ पर भी अनुशासन रखेंगे।

मकर

आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा।आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। आज आप फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों को गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है।आप आज भक्तिमय रहेंगे, गौ सेवा करने से सुख मिलेगा और सानिध्य बढ़ेगा।

कुंभ

आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा। दांपत्य संबंध सुखद और खुशहाली पूर्ण रहेंगे।

मीन

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है।कार्यक्षेत्र में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। निश्चित ही सफलता मिलेगी। पार्टनरशिप संबंधी कोई प्रोपोजल भी आ सकता है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा।

भाजपा पार्षदों ने सीएमओ चंद्रकांत शर्मा के खिलाफ खोला मोर्चा

डोंगरगढ़ (दावा)। अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर नगर पालिका के कर्मचारियों विगत तीन दिनों से हड़ताल पर है।इस बीच 13 दिसंबर को प्रस्तावित सामान्य सभा की बैठक सीएमओ चंद्रकांत शर्मा द्वारा अचानक स्थगित करने एवं विधिवत सूचना नहीं देने का आरोप लगाकर पालिका के भाजपा पार्षदों ने खुलकर विरोध जताया। भाजपा पार्षदों ने शहर भाजपा संगठन के नेतृत्व में सीएमओ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के पार्षद पूरे दलबल के साथ भाजपा के शहर अध्यक्ष अमित जैन के नेतृत्व में दोपहर को 3 घंटा तक नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन कर उग्र प्रदर्शन किया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएमओ की शिकायत लेकर भाजपा पार्षद मंत्रालय नवा रायपुर की ओर रवाना भी हो गए हैं।

भाजपा पार्षदों को चिंता है कि सांसद संतोष पांडे द्वारा स्वीकृत कराई गई 3 करोड़ की राशि से प्रस्तावित किए गए कार्य जिनका टेंडर भी जारी हो चुका है, आचार संहिता के पूर्व सामान्य सभा की बैठक में पारित हो जाए। शासन द्वारा स्वीकृत की गई राशि को पालिका में सत्तारूढ़ कांग्रेस के पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम द्वारा अपने अधिकार का उपयोग करते हुए पी आई सी के माध्यम से रोक लगा दी है। ऐसी स्थिति में,प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पार्षदों के लिए शासन द्वारा स्वीकृत की गई राशि के क्रियान्वयन हेतु प्रस्तावित निर्माण कार्य को सामान्य सभा की बैठक में पास कराना अनिवार्य हो गया है। चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमित छाबड़ा ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर आरोप लगाया कि सीएमओ उनके संरक्षण में कार्य कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर चुनाव के पूर्व भाजपा पार्षदों का मनोबल कम करने के लिए सीएमओ खुले रूप से कांग्रेस का साथ दे रहे हैं। जन भावनाओं के खिलाफ कार्य करने वाले ऐसे सीएमओ को शासन प्रशासन तत्काल प्रभाव से निलंबित करे।

- सीएमओ की शिकायत लेकर मंत्रालय गए पार्षद, समर्थन में शहर भाजपा संगठन सामने आया
- वरिष्ठ भाजपा नेताओं पर सीएमओ को संरक्षण देने का आरोप लगाया नेता प्रतिपक्ष अमित छाबड़ा ने
- मामला - 13 दिसंबर को प्रस्तावित सामान्य सभा की बैठक को सीएमओ द्वारा निरस्त करने का

कर्मचारियों की हड़ताल के बीच बैठक होना संभव नहीं था - सीएमओ

सीएमओ चंद्रकांत शर्मा ने कहा है कि,पालिका कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बैठक स्थगित की गई है।हड़ताल खत्म होते ही बैठक पुनः आयोजित की जाएंगी। कर्मचारियों की उपस्थिति के बिना बैठक संभव नहीं थी। श्री शर्मा ने आगे कहा कि,पालिका द्वारा मैदानी इलाको की गड़बड़ाई व्यवस्था में सुधार कर आम जनों को मूलभूत सुविधा प्रदान करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है।

सीएमओ कांग्रेस के इशारे पर कार्य कर रहे हैं - अमित छाबड़ा नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष अमित छाबरा ने खुले रूप में कहा कि,भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का संरक्षण प्राप्त कर सीएमओ कांग्रेस के इशारे पर कार्य कर रहे हैं। जो भाजपा कार्यकर्ताओं को हतोसाहित करने जैसा है।

धान खरीदी के बीच सख्ती, 50 कट्टा धान जप्ती

ठेलकाडीह (दावा)। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी ने जिले के किसानों के चेहरे में खुशी और आत्मविश्वास जगाई है। सरकार द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। किसानों को भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा रहा है, लेकीन इस बीच जिला प्रशासन के सीजी द्वारा अवैध रूप से और क्षमता से अधिक धन रखने वाले पर लगातार कार्रवाई की जारी है गुरुवार को के सीजी जिले के ठेलकदी में एक फुटकर व्यापारी से 50 कट्टा धान की जपती करवाई किया गया आपको बता दे कि क्षेत्र में कोचिंग की भरमार है वह किसानों को सस्ते दामों में धान खरीदी कर अधिक मुनाफा कमाने के लिए क्षमता से अधिक धान का स्टॉक रख रहे हैं इधर जिला प्रशासन लगातार कार्य करते हुए ठेलकाडीह में 50 कट्टा धान की जप्ती कर कारवाई किया है आपको बता दे की अधिकारियों ने ठेलकाडीह निवासी फुटकर व्यापारी नारद देवांगन कि यहां जांच टीम ने फुटकर व्यापारी के यहां क्षमता से अधिक धान पाया जिस पर मंडी अधिनियम के तहत 50 में कट्टा धान की जप्ती बनाकर प्रकरण तैयार किया। उल्लेखनीय की मंडी अधिनियम के तहत फुटकर व्यापारियों को 10 क्विंटल धान संग्रहण करने की पात्रता है द्य इससे अधिक मात्रा में धान संग्रहित करने पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाती है द्य इस कारवाही से अन्य व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है बता दे कि ठेलकाडीह, चारभाठा, छेछानपहरी, गातापारकला सहित आसपास के गांवो में दर्जनों व्यापारी है जो किसानों को सस्ते दामों में धान खरीद कर अधिक पैसा कमाने के चक्कर में मंडी अधिनियम का उल्लंघन कर लंबे समय से कारोबार चला रहे हैं। यदि अधिकारियों द्वारा अन्य व्यापारियों के यहां जांच की जाती हैं तो कई क्विंटल धान की जप्ती होने की संभावना है द्य इस ओर केसीजी प्रशासन को गंभीरतापूर्वक कारवाही करने की जरूरत है। ताकि अवैध रूप से एवं क्षमता से अधिक धान रखने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

फुटकर व्यापारी से क्षमता से अधिक धान रखने पर हुई कार्रवाई

पहला कॉलम...

चांदो में 6 जनवरी को मड़ई और नाचा

डोंगरगांव (दावा)। अंचल के ग्राम चांदो में 6 जनवरी 2025 सोमवार को मंड़ई मेला का आयोजन रखा गया है. इस अवसर पर रात्रि में प्रसिद्ध भूपेश-प्रकाश छत्तीसगढ़ी नाचा पार्टी चारामा, जिला कांकेर की प्रस्तुति होगी. बता दें कि ग्राम चांदो में लंबे समय से वार्षिक मड़ई के आयोजन की परंपरा है. प्रतिवर्ष हर्षोल्लास के साथ भव्य मड़ई का आयोजन होता है, जिसमें आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीण शामिल होते हैं.

पालक चौपाल में मिली तिरंगा भोजन की जानकारी

डोंगरगांव (दावा)। ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोहका में शुक्रवार 13 दिसंबर को आंगनबाड़ी में पोट्ठ लइका पहल अंतर्गत पालक चौपाल लगाकर तिरंगा भोजन की जानकारी दी गई. इस दौरान साफ-सफाई पर चर्चा के साथ ही छत्तीसगढ़ शासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर महतारी का सम्मान गुलाल एवं पुष्प से किया गया. इसी कड़ी में कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और पूरे आयोजन का आनंद लिया. इस खेल में प्रथम स्थान पर कविता साहू एवं दूसरे स्थान पर नामेश्वरी साहू रही. विजेताओं को हंसू साहू सेक्टर सुपर वाइजर महिला बाल विकास एवं दीपक रंगारी संकुल समन्वयक बिहान डोंगरगांव ने श्रीफल देकर सम्मानित किया. इस कार्यक्रम में प्रमुख सहयोग अरविन्द सांकरे, कुमुदनी साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लीला मास्कर, रश्मि डोंगरे, एवती सेन, पोषण सखी संगीता देवांगन, मितानिन पूर्णिमा, गीता, सुनीता मेश्राम, बिहान से सीता साहू, रानू साहू, चमेली साहू, कविता साहू, सोनबती, पुष्पा, उर्मिला, नीलम, लोकेश्वरी, नामेश्वरी, अगरबत्ती हल्वा, खेदिया सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएँ उपस्थित रहीं.

नेहरु महाविद्यालय में सहज योग शिविर आयोजित

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के योग विभाग में 10 दिसम्बर मंगलवार को प्राचार्य डॉ. ई वी रेवती एवं महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. आशा चौधरी एवं योग शिक्षिका मंजू धनकर के मागदर्शन एवं सहजध्यान केन्द्र, डोंगरगढ़ के तत्वाधान में एक दिवसीय सहजयोग शिविर का आयोजन महाविद्यालय के पुराने भवन के योगा भवन में किया गया। उक्त शिविर में सहजध्यान केन्द्र की संचालिका राधा गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा सहजयोग ध्यान पद्धति के बारें में विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविर में माता निर्मला देवी के छायाचित्र के सानिध्य में नियमित सहज योग ध्यान धारणा के लाभ बताए गए। उन्होंने बताया कि हमारे अंत निहित कुंडली शक्ति के जागरण से परमात्मा से योग स्थापित होना ही सहज योग है। हमारे शरीर में सिर के तालु भाग पर तथा हथेलियों एवं उंगलियों के छोरो पर अनुभव होती है जिससे हमारा शरीर तनाव रहित हो सकता है, महिलाओं की सामान्य व्याधियों से मुक्ति एवं छात्र-छात्राओं की स्मरण शक्ति बढ़ती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. आर आर कोचे, डॉ. सपना परिहार, अंजली देवांगन सहित सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आदिवासी विनिमय आदान-प्रदान कार्यक्रम हेतु युवा और युवतियां मुंबई से हुई वापसी

राजनांदगाव (दावा)। 16 वां आदिवासी विनिमय 4 दिसंबर 2024 से 10 दिसंबर 2024 तक युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम हेतु युवा एवं युवतियां मुंबई से हुई वापसी कार्यक्रम (माय भारत) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के सौजन्य से मुंबई में आयोजित किया गया था मुंबई भ्रमण के बाद जिला युवा अधिकारी नितिन शर्मा ने बच्चों को मुंबई भ्रमण कि फीडबैक पूछा जिसमें युवा विभिन्न प्रदेशों के युवा युवतियां मुंबई में एकत्रित होकर अपने सांस्कृतिक गतिविधियां, सांस्कृतिक लोकाचार, भाषा, और जीवन शैली जीवन कौशल, विकास, अचार विचार, साथ ही विभिन्न गतिविधियां में भाग लिए जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजनांदगांव जिला आए नितिन शर्मा ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री मंत्री द्वारा लांच किया गया माय भारत से जुड़ कर युवा और युवतियां विभिन्न जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं कार्यक्रम में 20 युवा एवं 20 युवतियां सहित नेहरू युवा केन्द्र के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक तपन साहू, आई टी.बी.के जवान उपस्थित थे।

रेंगाकठेरा में शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ 22 से

राजनांदगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम रेंगाकठेरा (बखत) में आगामी 22 दिसंबर से 30 दिसंबर तक शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन बाल युवा मंडल एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित किया गया है। इस ज्ञान यज्ञ में व्यासपीठ से प्रवचन कर्ता आचार्य पंडित रामानुज युवराज पांडे श्री जगन्नाथ मंदिर अमलीपदर होंगे।

ज्ञातव्य है कि श्री पंडित पांडे का श्रीमद देवी भागवत कथा प्रवचन चण्डी यज्ञ इससे पहले समीपस्थ ग्राम डूमरडीहकला में संपन्न हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमलीपदर वाले पूज्य महाराज पांडे जी का प्रवचन शैली की क्षेत्र की जनता मुग्ध है। अतः उनके प्रवचन में सुनने बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। कार्यक्रम इस प्रकार से है भक्तिमय प्रसंग कलश यात्रा दोपहर 02 बजे से, 22 दिसंबर दिन-रविवार कलश यात्रा शिवपुराण की महत्तम वर्णन, दिनांक 23 दिसंबर दिन-सोमवार शिव पूजन विधि भस्मधारण रुद्राक्ष की महिमा, 24 दिसंबर दिन-मंगलवार ब्रम्हनारद संवाद, नारदमोक्ष पार्थिव पूजन विधि, 25 दिसंबर, दिन-बुधवार दक्ष के तप शिव का वरदान सती जन्म शिव विवाह, 26 दिसंबर, दिन-गुरुवार सती देहत्याग सतीमोह रामकथा गंगा उत्पत्ति की कथा, 27 दिसंबर, दिन-शुक्रवार पार्वती जन्म पार्वती तप कामदेव चरित्र शिव विवाह, 28 दिसंबर, दिन-शनिवार गणेश जन्म अंधकासुर की कथा कृष्ण कथा वाणासुर की कथा, 29 दिसंबर दिन-रविवार शिव के विभिन्न रूप की कथा शिव महापुराण का सार विल्व वर्षा नगर भ्रमण, 30 दिसंबर, दिन-सोमवार गीतादान कपिला तर्पण पुर्णाहुति ब्राम्हण भोज, महाप्रसादी एवं भंडारा, 30 दिसंबर दिन सोमवार रखा गया है।

पूजा परायण सुबह 8 बजे से कथा समय प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से प्रभु इच्छा तक है। शिवतत्व की गहराई व भगवान शिव की महिमा को श्रावणपान करने के लिए समस्त श्रोता, समाज से परदेशी सोनबोईर ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहने हेतु अपील किये है।

नगर में 16 को विशाल स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर एवं मितानिन सम्मेलन

डोंगरगांव (दावा)। नगर के नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में छत्तीसगढ़ सरकार गठन के वर्षगांठ अवसर पर सोमवार 16 दिसंबर को प्रातः 9 बजे से विशाल स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर एवं मितानिन सम्मेलन का आयोजन रखा गया है. इस अवसर पर गैर संचारी रोग जैसे ब्लड प्रेसर, सुगर, कैंसर(जांच एवं उपचार), रक्तदान शिविर, चिकित्सा विशेषज्ञ, चर्म रोग जांच एवं उपचार, दंत परीक्षण एवं उपचार, नेत्र परीक्षण एवं उपचार, मानसिग स्वास्थ्य जांच, नशा मुक्ति काउंसलिंग, आयुष्मान पंजीयन एवं कार्ड वितरण, सिकलिंग जांच, हीमोग्लोबिन जांच, ब्लड ग्रुप जांच, नाक,कान एवं गला रोग जांच, पयोवृद्ध हेतु सेवाएँ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ, अस्थि रोग जांच एवं उपचार एवं क्षयरोग जांच व उपचार आदि सेवाएँ उपलब्ध रहेगी. उक्ताशय की जानकारी देते हुए खण्ड चिकित्सा अधिकारी डोंगरगांव ने बताया कि इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ भी उपलब्ध रहेगी जिसमें विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगें.

जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

खैरागढ़ (दावा)। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जोन स्तरीय का आयोजन शाला परिवार काँचरी व ग्राम काँचरी में आयोजित किया गया।। जिसमे अध्यक्षता सरपंच हेमकल्यानी तोड़े व मुख्य अतिथि प्रभारी जिला क्रीड़ाधिकारी कन्हैया पटेल, काँचरी स्कूल प्राचार्य मधु नेताम, समाजसेवी देवेंद्र पाल तोड़े, विशिष्ट अतिथि के रूप में यशोदा वर्मा, संजय वर्मा, प्रेम ग्वाला,भुखन यादव, गनेशु वर्मा,लाला वर्मा, बहल वर्मा, जासल वर्मा,भानु वर्मा एस एमसी अध्यक्ष उपस्थित थे। इस दौरान प्राथमिक वर्ग बालक व बालिकाओं में अ व ब वर्ग में एकल खेल 80,100 मीटर दौड़,कुर्सी दौड़, आलू दौड़, सुई धागा दौड़, लंबी कूद व सामूहिक खेलों में खो, कबड्डी,रिलेरेस व योगा का आयोजन हुआ। उसी प्रकार माध्यमिक वर्ग बालक व बालिकाओं में दोनों वर्गों अ व ब वर्ग में 100, 200, 400, 600 मी दौड़, तवा फेंक, गोला फेंक, लंबी कूद व सामूहिक खेलो में खो, कबड्डी, योगा व रिलेरेस का आयोजन हुआ। इस दौरान संकुल समन्वयक समयलाल धुर्वे, कमल वर्मा, राजूराम जोशी, रामेश्वर वर्मा, हेमंत वर्मा, तोपचन्द वर्मा, नोहर सिंह देशमुख, गिरवर बंजारे, शिक्षक मोरेश्वर वर्मा, गोपाल सिंह राजपूत, देवेंद्र यादव, भगवती प्रसाद सिन्हा, संतोष तोड़े, कोमल चंद कोठारी व अन्य शिक्षक साथी उपस्थित थे। इस दौरान जोन स्तरीय खेल को सम्पन्न कराने में बसंत तोड़े, रामकुमार वर्मा,अनिता वर्मा, सुनीता वर्मा, देखिन रजक, उमा वर्मा, प्रियंका वर्मा, शालू गेन्द्रे, संगीता बाई, कचरा बाई, पार्वती यादव, इंदकुंवर वर्मा, द्रोपती वर्मा, रोशनी यादव, राधिका वर्मा, तीज बाई, अमरबती वर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस दौरान सभी विजयी बच्चों को इनाम वितरित किया गया। इस दौरान प्रतिभागी बच्चे व समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

आवासीय पट्टे से वंचित हितग्राहियों के साथ विधायक श्रीमती बघेल ने एसडीएम कार्यालय का किया घेराव, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

डोंगरगढ़ (दावा)। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने 13 सितंबर को आवासीय पट्टा से वंचित हितग्राहियों के साथ एसडीएम कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में आवासीय पट्टा से वंचित हितग्राही व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय होवे कि,कांग्रेस शासन काल में झुग्गी झोपड़ी वासियों को आवासीय पट्टा देने का कार्य प्रारंभ किया गया था। इस दौरान तकनीकी कारणों से पट्टा प्राप्त करने से वंचित हितग्राहियों ने शासन प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

एसडीएम मनोज मरकाम की अनुपस्थिति में तहसीलदार मुकेश ठाकुर को ज्ञापन सौंप गया।हितग्राहियों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए,तहसीलदार द्वारा तत्काल प्रभाव से सर्वे कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया है। वहीं दूसरी ओर तहसीलदार का स्पष्ट रूप से कहना है कि शासन द्वारा जारी किए गए निर्देश के अनुसार ही पट्टा का वितरण किया जाएगा। जिसके अनुसार तालाब एवं पहाड़ी मद की शासकीय भूमि में निवासरत लोगों को आवासीय पट्टा देने का प्रावधान नहीं है। ज्ञापन में कहा गया है कि, आवासीय पट्टा नहीं बन पाने के कारण कच्चे मकान में निवासरत परिवारों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गरीबों को गुमराह कर रहे हैं अधिकारी कर्मचारी- श्रीमती बघेल

प्रदर्शन के दौरान विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने प्रदेश शासन पर खुला आरोप लगाते हुए कहा है कि झुग्गी वासियों को आवासीय पट्टे का वितरण न करके सर्वे के नाम से शासन-प्रशासन में बैठे अधिकारी कर्मचारी गरीबों को गुमराह कर रहे हैं।

शासन द्वारा जारी किए गए निर्देश के अनुसार ही पट्टे का वितरण किया जाएगा - तहसीलदार मुकेश ठाकुर

तहसीलदार मुकेश ठाकुर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शासन द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देश के अनुसार ही पट्टे का वितरण किया जाएगा।जिसके अनुसार तालाब एवं पहाड़ी मद की शासकीय भूमि में निवासरत लोगों को आवासीय पट्टा देने का प्रावधान नहीं है।

गुरुकुल में मनी गीता जयंती, विद्यार्थियों ने किया पाठ

ठेलकाडीह (दावा)। गुरुकुल कोचिंग संस्थान रेंगाकठेरा(बखत) में बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती मनाई गई। जयंती कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमद्भगवत गीता की पूजा-अर्चना से हुई।

संस्था के फाउंडर रूद्र प्रसाद सूर्यवानी ने श्रीमद्भगवत गीता के महत्व और ज्ञान का विस्तार से वर्णन किया। साथ ही गीता के 18 वें अध्याय का सारांश में सहित व्याख्या किया। गुरुकुल के विद्यार्थियों में गीता जयंती को लेकर उत्साह दिखा। विद्यार्थियों ने गीता का पाठ भी किया। फाउंडर रूद्र प्रसाद ने बताया कि प्रतिवर्ष मोक्षदा एकादशी के दिन गीता जयंती मनाई जाती है। क्योंकि इसी दिन भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र के मैदान में गीता का ज्ञान दिया था।

0 विद्यार्थियों को भेंट की गीता

श्रीमद्भगवत गीता के महत्व और ज्ञान का किया वर्णन

गीता जयंती पर विद्यार्थियों की भजनों की प्रस्तुति ने मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं संस्था के पांच विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवत गीता भेंट की गई। फाउंडर रूद्र प्रसाद ने बताया कि भगवद गीता हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ है, जिसमें भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को जीवन, कर्म, भक्ति, योग और धर्म के गूढ़ रहस्यों का उपदेश दिया था। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपने कर्तव्यों का पालन करने की प्रेरणा दी और उसे यह समझाया कि हर व्यक्ति का धर्म उसके स्वधर्म के अनुसार होता है और उसे निरंतर अपने कर्मों में समर्पित रहना चाहिए। जयंती कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसादी के साथ हुआ। इस अवसर पर गुरुकुल के डायरेक्टर रूद्र प्रसाद सूर्यवानी, शिक्षिका दामिनी साहू, शिक्षिका आरती वर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता मे दुर्गेश कुमार वर्मा प्रथम स्थान प्राप्त किए

राजनांदगांव (दावा)। खैरागढ़-छुईखदान, गंडई 12 दिसम्बर गुरुवार को ग्राम बैहाटोला विकासखंड - खैरागढ़, जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई में जिला स्तरीय बालक्रीडा प्रतियोगिता का समापन हुआ. उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह (जिला पंचायत उपाध्यक्ष) व अध्यक्षता घम्मन साहू (जिला पंचायत सदस्य) ने किया. कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर मल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात प्रतिभागी छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं राष्ट्रगान एवं राजकीय गीत प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम में पूरे खैरागढ़ जिले पूर्व माध्यमिक शाला और प्रथमिक शाला के 4 जोन के बच्चे उपस्थित थे।

इस अवसर पर छुईखदान ब्लॉक के प्राथमिक शाला खैरबना के छात्र दुर्गेश कुमार वर्मा अ वर्ग 80 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान आया, टिकेश कुमार वर्मा 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान और रिलेरेश में प्राथमिक शाला खैरबना के ही छात्र टिकेश, दुर्गेश, राजेंद्र और ओम ने जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आज समापन समारोह में विक्रांत सिंह ने समस्त विजयी बच्चों को अपनी शुभकामनायें देते हुए इनाम वितरण कर सभी बच्चों को जीवन में खेल के महत्व के बारे में बताया.

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी लालजी द्विवेदी, खैरागढ़ ब्लाक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी नीलम राजपूत और छुईखदान के बीआरसी दुष्यंत कुमार शर्मा, खैरागढ़ ब्लॉक के बी.आर.सी. सुजीत चौहान और बैहटोला के सरपंच और समस्त ग्रामवासी और खैरागढ़ और छुईखदान ब्लाक के समस्त संकुल समन्वयको में पूरन दास बंजारे, गंगू टंडन, दयाल बंजारे शिक्षकों में श्रीमती रेवा बंजारे, प्राथमिक शाला खैरबना के ही छात्र टिकेश, दुर्गेश, राजेंद्र और ओम ने जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आज समापन समारोह में विक्रांत सिंह ने समस्त मैडम, नीकिता साहू, हाई स्कूल बैहाटोला की व्याख्याता श्रीमती संज्ञा शुक्ला, रामलाल साहू, शिरीष पाण्डेय, उमेश साहू, मोहन जंघेल, रविशंकर बंशोड, कौशल श्रीवास्तव, शिव श्रीवास्तव, प्राथमिक शाला बैहाटोला के प्रधान पाठक भगवती सिन्हा और मिडिल के प्रभारी प्रधान पाठक किशोर शर्मा, विनोद सिन्हा, रोहित आदि समस्त शैक्षिक संकुल समन्वयक, शिक्षक एवं प्रतिभागी बच्चें उपस्थित थे। इसके पश्चात प्राथमिक विभाग बालक एवं बालिका माध्यमिक विभाग बालक एवं बालिका के व्यक्तिगत एवं सामूहिक खेल सम्पन्न किया गया। ग्रामवासियों द्वारा प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षको के लिए भोजन व्यवस्था किया गया। इसके बाद समापन समारोह के मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने विजयी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया गया. अतिथियों द्वारा विजयी प्रतिभागी बच्चों को प्रथम एवं द्वितीय को पुरस्कार वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में 40 संकुल के प्रतिभागी बच्चे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न शालाओं के खेल प्रभारी शिक्षक एवं शिक्षिका भी उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चों ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

श्रद्धांजलि सभा के साथ हुआ न्यौता भोज का आयोजन

डोंगरगांव (दावा)। छुरिया विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय महरूम में स्वर्गीय रामूराम धनकर की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया एवम् परिजनों द्वारा स्कूली बच्चों को न्यौता भोज खिलाया गया. न्यौता भोजन में प्रमुख रूप से खीर, पूरी, बूंदी, दाल, पापड़, आचार आदि परोसा गया. बच्चों को सुरुचि पूर्ण भोजन मिलने से उमंग और उत्साह रहा. न्यौता भोजन के संबंध में बताया गया कि यह प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत एक नई योजना की शुरूवात की गई है. इसमें अपनी सुविधा या इच्छा के अनुसार फल, मिठाई, बिस्कुट, चावल, दाल, खीर, पुड़ी, गुड़-चना या अन्य किसी भी प्रकार की आंचलिक खाद्य सामग्री को शामिल किया जा सकता है. इस अवसर पर प्रमुख रूप से सभापति किसुन साहू, मिथलेश ठाकुर, सुनीत मांडवी, अंगद साहू, प्राचार्य बी.बी.सिन्हा, प्रधानपाठक जी.एस.कोसमा, श्री सोनसावां सर व ग्रामीणजनों की गरिमामय उपस्थिति रही.

महरूम में स्कूली बच्चों को परोसा गया खीरपूरी

वहीं न्यौता भोज को पढने वाले बच्चों को मध्यान्ह भोजन के अतिरिक्त आहार के रूप में दिया जाता है.

विकास के लिए संगठित होना आवश्यक - दिनेश कुरेटी

कल्लूबंजारी (दावा)। गत दिनों आदिवासी कोयतुर गोंड़ समाज ब्लाक इकाई छुरिया, डोंगरगढ़ के अध्यक्ष दिनेश कुरेटी दिलेर के उपस्थिति में डोंगरगढ़ में सर्कल 4, 5 एवं 6 का संयुक्त बैठक सम्पन्न हुआ जिसमें कंगला मांझी द्वारा 1951 को स्थापित एवं निर्मित माँ दंतेवाड़ीन, बूढ़ादेव मंदिर के कार्यक्रम में सहभागिता निभाने के उद्देश्य से मां दंतेवाड़ीन समाज सेवा समिति का गठन किया गया। जिसमें डोंगरगढ़ निवासी नंदू टेकाम को अध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बूढ़ादेव के सेवा अर्जी के साथ हुआ पश्चात समाज प्रमुखों का पीला चांवल से टीका लगाकर स्वागत किया गया।

बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए समाज प्रमुख दिनेश कुरेटी दिलेर ने कहा कि समाज को विकास के दौड़ में सामिल होने के लिए संगठित होना आवश्यक है। समाज जितनी मजबूती से संगठित होगा समाज के विकास में उतनी ही तेजी आयेगी। श्री कुरेटी ने कोयतुर गोंड़वाना भवन निर्माण हेतु जगह चयनित कर अपने अधिकार क्षेत्र में लेने के लिए की गयी पहल का स्वागत करते हुए समाज के लोगों से खेती एवं बेटी को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा सावधान रहने का आव्हान किया।

मां दंतेवाड़ीन समाज सेवा समिति गठित

डोंगरगढ़ जैसे शहरी क्षेत्र में सामाजिक भवन निर्माण एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए सामाजिक जमीन आवश्यक है। श्री कुरेटी ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता व अखंडता को बनाये रखने का संदेश दिया। बैठक के पश्चात चिन्हित भूखंड को कोयतुर गोंड़ समाज को प्रदाय करने हेतु ब्लाक अध्यक्ष दिनेश कुरेटी दिलेर के नेतृत्व में डोंगरगढ़ एसडीएम के नाम पर उनके अनुपस्थिति में नायब तहसील को लिखित ज्ञापन सौंपा तथा एसडीएम तक ज्ञापन भेजने का निवेदन किया। नायब तहसीलदार ने समाज के ज्ञापन को एसडीएम तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। डोंगरगढ़ के विधायक हर्षिता स्वामी बघेल से समाज प्रमुखों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृत कराने निवेदन किया। जिस पर सहमति जताते हुए विधायक ने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दूसरे दिन एसडीएम द्वारा चाही गयी जमीन का नक्शा, खसरा जमा किया गया। बैठक को ब्लॉक उपाध्यक्ष जनाराम काटेंगी, सर्कल अध्यक्ष दुखूराम हुर्रे एवं गिरधारी गोटे, नंदू टेकाम एवं शंकर मंडावी ने भी संबोधित किया।

नवगठित मां दंतेवाड़ीन समाज सेवा समिति के पदाधिकारियों में संरक्षक जनाराम काटेंगे, अध्यक्ष नंदू टेकाम, संयोजक शंकर मंडावी, उपाध्यक्ष दुखुराम हुर्रे, सचिव एवन आचले, सहसचिव रामसिंह खुड़संगे, कोषाध्यक्ष गिरधारी गोटे, उपकोषाध्यक्ष गणीराम मंडावी, सलाहकार दिलीप सलामें, युवा प्रभाग अध्यक्ष संजय कड़ीयाम एवं कार्यकारिणी सदस्यों में अनुप हुर्रे, महेश कोवाची, सहस राम टेकाम, जीवन मंडावी, धनिराम खुशराम, शिलाबाई पंधरे, समोता बाई मलगाम, आशा उइके, सुनीता बाई, आशाबाई हुर्रे, संतलाल उइके एवं प्रकाश मंडावी सामिल हैं। बैठक का संचालन एवन आचले एवं आभार प्रदर्शन गोवर्धन मरस्कोले ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संतलाल उसे डी, धनीराम खुशराम, सुरजलाल परते, भानूप्रताप कुमरे, संतलाल मलगाम, अजय मरस्कोले, धर्मेन्द्र पंधरे, कैलाश मंडावी, वंचिला बाई मलगाम, जयाबाई मलगाम, अनुसूईया पंधरे, देवकी उइके, शिलाबाई पंधरे, मीरा मरस्कोले, बसंती बाई वट्टी, कमला टेकाम, आरती मंडावी एवं शीला बाई आदि सहित कोयतुर गोंड़ समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बाल क्रीडा प्रतियोगिता में विधायक विजेता को ट्राफी प्रदान की

खुज्जी (दावा)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम किरगाहाटोला विकासखंड छुरिया में आयोजित संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में विधायक खुज्जी भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। खिलाड़ी छात्रा-छात्राओं का उत्साहवर्धन किए, श्री साहू ने अपने उद्बोधन में संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु संकुल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं तथा शाला परिवार व ग्रामवासियों को शुभकामनायें दिए एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किए एवं खेल और शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं को अग्रणी होना आवश्यक बताए। इस कार्यक्रम के दौरान राजू सिन्हा कार्यकारिणी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष छुरिया, रामबिलास बाँधे सचिव, रामभरोसा पडौती ग्राम मुखिया, ओमप्रकाश साहू, प्रीतम चन्द्रवंशी, पूनम पडौती, वीरेंद्र साहू संकुल समन्वयक, हीरामन पडौती, चेतन लाल, पूरन नायक, चुरामन यादव, खेमिन कंवर, कुमारी वैष्णव, आरती दुबे प्रधान पाठक, दिलीप सिन्हा, विमला सिन्हा, रामेन्द्र धनपाल, संकुल के शिक्षक शिक्षिकाएं व बच्चे तथा ग्रामवासी उपस्थित थे।

धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था से किसानों में गहरी चिंता - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़(दावा)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने आज जिले के धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया, जहां स्थिति बेहद चिंताजनक और दर्दनाक मिली। अधिकांश केंद्र बंद पड़े थे, और जो खुले भी थे, वहां व्यवस्थाओं का अभाव था।

यह देखकर स्पष्ट हो गया कि सरकार की नीति और नीयत दोनों ही किसानों के खिलाफ हैं। जिससे किसानों में गहरा आक्रोश और असुरक्षा की भावना है।विष्णु लोधी ने कहा धान खरीदी केंद्रों की बदहाल स्थिति और किसानों की पीड़ा को देखकर मन व्यथित हैं। समय सीमा की कमी और अवस्थित व्यवस्था ने किसानों को संकट में डाल दिया है। किसान, जो हमारे देश का अन्नदाता है, आज खुद असहाय और अपमानित महसूस कर रहा है। धान खरीदी प्रक्रिया में देरी, ऑनलाइन टोकन की अव्यवस्था और केंद्रों की बदहाल स्थिति ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। सरकार का यह रवैया न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि किसानों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। सरकार ने धान खरीदी को 15 दिन देर से शुरू कर पहले ही किसानों को असमंजस में डाल दिया। अब समय की कमी और अव्यवस्थित प्रक्रियाओं ने उनकी चिंताओं को और बढ़ा दिया है। किसान इस बात को लेकर आशंकित हैं कि वे अपना धान बेच भी पाएंगे या नहीं। उनकी मेहनत की फसल खुले आसमान के नीचे सड़ रही है, और सरकार केवल वादों और कागजी योजनाओं का ढिंढोरा पीट रही है। विष्णु लोधी ने कड़े शब्दों में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह सरकार केवल जुमलों की सरकार है। जिन किसानों की मेहनत से यह देश चलता है, उनके साथ इतना बड़ा छल कैसे किया जा सकता है? किसानों का हर आंसू इस सरकार की असंवेदनशीलता का प्रमाण है।

कोयतुर गोंड़ समाज के अध्यक्ष बने नंदू टेकाम

डोंगरगढ़ (दावा), गौटियाटोला (बागरेकसा), रामजीटोला (बोरतलाब) एवं डोंगरगढ़ सर्कल की संयुक्त बैठक 09 दिसंबर को डोंगरगढ़ में संपन्न हुई। बैठक में मां दंतेवाड़िन सेवा समिति का गठन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता तिरूमाल नंदू टेकाम को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया।

एसडीम को ज्ञापन सौंप, विधायक से मिले सामाजिकगण, भवन हेतु राशि व स्थान की मांग

बैठक के उपरांत डोंगरगढ़ के एस.डी.एम. के नाम पर उनके अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार को कोयतुर गोंड़ समाज डोंगरगढ़ के लिए भूखंड आबंटन हेतु ब्लाक अध्यक्ष दिनेश कुरेटी दिलेर के नेतृत्व में लिखित ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही क्षेत्रीय विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल से सौजन्य मुलाकात कर गोंड़वाना भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृति कराने की अपेक्षा की गयी है। इस अवसर पर सर्कल अध्यक्ष द्वय दुखूराम हुर्रे एवं गिरधारी गोटे, ब्लाक उपाध्यक्ष जनाराम काटेंगी, नंदू टेकाम, गोवर्धन मर्सकोले, शंकर मंडावी, एवन आचले, संजय कड़ियाम, संतलाल उसेण्डी, आशा हुर्रे आदि सहित सर्कल क्रमांक 04, 05 एवं 06 के सगाजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ग्राम काँचरी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

खैरागढ़ (दावा)। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जोन स्तरीय का आयोजन शाला परिवार काँचरी व ग्राम काँचरी में आयोजित किया गया। जिसमें अध्यक्षता सरपंच हेमकल्यानी तोडे व मुख्य अतिथि प्रभारी जिला क्रीड़ाधिकारी कन्हैया पटेल, काँचरी स्कूल प्राचार्य मधु नेताम, समाज सेवी देवेंद्र पाल तोडे, विशिष्ट अतिथि के रूप में यशोदा वर्मा, संजय वर्मा, प्रेम ग्वाला, भुखन यादव, गनेशु वर्मा, लाला वर्मा, बहल वर्मा, जासल वर्मा, भानु वर्मा एस एमसी अध्यक्ष उपस्थित थे। इस दौरान प्राथमिक वर्ग बालक व बालिकाओं में अ व ब वर्ग में एकल खेल 80,100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, आलू दौड़, सुई धागा दौड़, लंबी कूद व सामूहिक खेलों में खो, कबड्डी, रिलेरेस व योगा का आयोजन हुआ।

उसी प्रकार माध्यमिक वर्ग बालक व बालिकाओं में दोनों वर्गों अ व ब वर्ग में 100, 200, 400, 600मी दौड़, तवा फेंक, गोला फेंक, लंबी कूद व सामूहिक खेलों में खो खो, कबड्डी, योगा व रिलेरेस का आयोजन हुआ। इस दौरान संकुल समन्वयक समय लाल धुर्वे, कमल वर्मा, राजू राम जोशी, रामेश्वर वर्मा, हेमंत वर्मा, तोपचन्द वर्मा, नोहर सिंह देशमुख, गिरवर बंजारे, शिक्षक मोरेश्वर वर्मा, गोपाल सिंह राजपूत, देवेंद्र यादव, भगवती प्रसाद सिन्हा, संतोष तोड़े, कोमल चंद कोठारी व अन्य शिक्षक साथी उपस्थित थे, इस दौरान जोन स्तरीय खेल को सम्पन्न कराने में बसंत तोडे, रामकुमार वर्मा, अनिता वर्मा, सुनीता वर्मा, देखिन रजक, उमा वर्मा, प्रियंका वर्मा, शालू गेन्द्रे, संगीता बाई, कचरा बाई, पार्वती यादव, इंदकुंवर वर्मा, द्रोपती वर्मा, रोशनी यादव, राधिका वर्मा, तीज बाई, अमरबती वर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, इस दौरान सभी विजयी बच्चों को इनाम वितरित किया गया, इस दौरान प्रतिभागी बच्चे व समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के आधार स्तंभ जीएस खोब्रागढ़े का निधन

दल्ली राजहरा(दावा)। छत्तीसगढ़ में बौद्ध समाज के आधार स्तंभ जीएस खोब्रागढ़े का 9 दिसंबर की शाम 4:30 बजे पं.जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र सेक्टर 9 भिलाई में परिनिर्वाण (निधन) हो गया। उनके देह दर्शन को दल्ली राजहरा के इंदिरा नगर स्थित निज निवास में बड़ी संख्या में बौद्ध उपासक और उपासिकाओं सहित उनके अनुयायी मौजूद रहे, जहां त्रिशरण और पंचशील का पाठ कर उनको राजहरा वासियों द्वारा अंतिम विदाई दी गई।

90 वर्षीय जीएस खोब्रागढ़े का समूचा जीवन जनसेवा या यूं कहें कि विशुद्ध रूप से डॉ.आंबेडकर के मिशन को पूरा करने समाजसेवा के लिये समर्पित रहा। वे भारतरत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर के अंतिम जीवित छात्रों में एक थे। उनके निधन के बाद उनकी इच्छा के अनुरूप परिजनों ने उनके पार्थिव देह को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में 10 दिसंबर को सुपुर्द किया। इससे पहले पुराना बाजार स्थित बौद्ध विहार में उनकी पार्थिव काया को आमजनों के दर्शनार्थ रखा गया था जहां सामाजिकजनों सहित आमजनों ने उनके अंतिम दर्शन किए।

जीवन में संघर्ष के बीच शिक्षा को बनाया आधार और करते रहे लोगों की मदद

जी.एस. खोब्रागढ़े उन विरले लोगों में से एक थे जिन्होंने जीवन में अपार संघर्षो का सामना किया लेकिन संघर्षो के बीच शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाया और सक्षम हुये तो लोगों की मदद के लिये हमेशा तत्पर रहे। खासतौर पर उनके जीवन में डॉ.आंबेडकर के व्यक्तित्व व कृतित्व का बडा सकारात्मक प्रभाव रहा। निधन उपरांत उनके पुत्र व समाजसेवी अनिल खोब्रागढ़े ने बताया कि उनका जन्म 7 अप्रैल 1934 में ग्राम कोहका (डोंगरगांव) में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा डोंगरगांव की प्राथमिक विद्यालय में हुई। जीएस प्रारंभ से ही बेहद मेधावी व प्रतिभावान छात्र थे। उस जमाने में चौथी बोर्ड की परीक्षा होती थी और राजनांदगांव स्टेट में उन्होंने चौथी बोर्ड की परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। बताते हैं कि कुछ एक नंबर से जीएस चूक गये नहीं तो पूरे राजनांदगांव स्टेट में वें प्रथम स्थान पर रहते।

जनसेवा में बीता समूचा जीवन, मरणोपरांत किया देहदान
डॉ. आंबेडकर के अंतिम जीवित छात्रों में एक थे जीएस खोब्रागढ़े

ज्ञात हो कि यह वह दौर था जब भारत अंग्रेजो के अधीन गुलाम था। बचपन में बोर्ड परीक्षा में यह कारनामा करने के बाद वें गांव के एक होनहार बच्चे के रूप में पहचाने जाने लगे। इस दौरान आर्थिक विषमताओं के बीच किसी तरह हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी हुई और कुछ लोगों की मदद से उच्चतर शिक्षा के लिये उनका दाखिला डॉ.आंबेडकर द्वारा संचालित मिलिंद महाविद्यालय औरंगाबाद में हुआ। यहां उन्होंने बी.एस.सी. की पढ़ाई के लिये दाखिला लिया और यहीं बतौर छात्र उनकी मुलाकात डॉ.आंबेडकर से हुई। दरअसल बाबा साहेब डॉ.आंबेडकर ने उस वक्त समाज के वंचित वर्ग के लिये मिलिंद महाविद्यालय की स्थापना की थी और वे स्वयं महाविद्यालय में कई-कई दिन और कभी तो महीनों रूककर छात्रों को खुद पढ़ाते थे। इसी दौरान डॉ.आंबेडकर के विशाल व्यक्तित्व का जीएस खोब्रागढ़े पर बेहद सकारात्मक प्रभाव पडा। यहां अध्ययन के दौरान डॉ.आंबेडकर के आव्हान पर जीएस नागपुर पहुंचे थे और 14 अक्टूबर 1956 को धम्मचक्र परिवर्तन कार्यक्रम में शामिल होकर बौद्ध धम्म की बाबा साहेब के साथ दीक्षा ली थी। इसके लगभग डेढ माह बाद 6 दिसंबर 1956 को खबर आयी कि बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण हो गया है। यह खबर सुनकर मिलिंद महाविद्यालय के छात्रों में शोक की लहर उठ गई और सैकड़ों की संख्या में छात्र बाबा साहेब को अंतिम विदाई देने मुंबई पहुंचे थे। उन छात्रों में जीएस खोब्रागढ़े भी अग्रणी थे। वे तीन दिनों तक मुंबई में रूके और दादर के उस इलाके में जहां बाबा साहेब का अंतिम संस्कार किया गया था। उनके अंतिम संस्कार व अस्थि संकलन की रस्म के बाद हजारों की संख्या में लोग बाबा साहेब के अन्त्येष्ठी स्थल में मुट्ठी भर राख लेने उमड़ पड़े थे। जीएस ने भी एक मुट्ठी जली हुई राख किसी तरह हासिल की थी। बताते हैं इस घटना के बाद बाबा साहेब के अन्त्येष्ठी स्थल में एक तालाबनुमा गड्ढा हो गया था। जीएस ने बाबा साहेब के पार्थिव काया की राख को बतौर प्रेरणा हमेशा अपने पास रखा और उनके पदचिन्हों पर आगे की शिक्षा तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी जारी रखी। औरंगाबाद से आने के बाद जीएस ने रायपुर से राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर और फिर बाद में बी.एड की उपाधि प्राप्त की। उनके पुत्र अनिल खोब्रागढ़े बताते हैं कि दल्ली राजहरा के बीएसपी माइंस में इसके बाद उन्हें मैट की नौकरी मिली लेकिन उन्हें यह नौकरी रास नहीं आयी और शिक्षा के क्षेत्र में वह अपना योगदान देना चाहते थे इसलिए अर्जुंदा टिकरी के भारती हाईस्कूल में लगभग 10 वर्षो तक बतौर शिक्षक अपनी सेवाएं दी और संघर्ष के बीच आगे की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित कर उनकी मदद करते रहे। 1967 में उन्हें दल्ली राजहरा के बीएसपी स्कूल में बतौर शिक्षक सेवा का अवसर मिला और वे जीवन पर्यन्त बतौर शिक्षक अपना योगदान देते रहे।

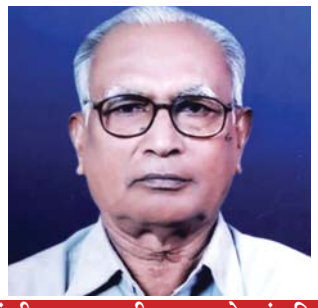

धम्म की शिक्षा और आंबेडकर वाद को लेकर रहे सक्रिय

अपने सहयोगी व्यक्तित्व और बेहतर शिक्षकीय कार्य के कारण जीएस खोब्रागढ़े वैसे तो बहुत लोकप्रिय रहे लेकिन असल में भगवान बुद्ध की धम्म शिक्षा और आंबेडकरवाद के प्रति सक्रियता ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। जीएस खोब्रागढ़े जीवन पर्यन्त धम्म शिक्षा के प्रचार-प्रसार और बाबा साहेब के मिशन को लेकर पूरी सक्रियता से कार्य करते रहे, इस बीच उन्होंने कई स्थानों में बुद्ध विहार और आंबेडकर भवन के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया साथ ही भगवान बुद्ध और बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर भी जगह-जगह अपनी तन, मन, धन से सेवा देते रहे। खासतौर पर उन्होंने वंचित वर्ग के छात्रों को पढ़ाई के लिये हमेशा प्रेरित किया और प्रतिभावान छात्रों की सदैव मदद करते रहे। दल्ली राजहरा के पहले बौद्ध विहार का उद्घाटन उन्होंने महापंडित के नाम से प्रसिद्ध महान साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन के द्वारा करवाया था। वे योग साधना को जीवन का अभिन्न अंग मानते थे। उन्होंने विपश्यना साधना भी की थी और सफल तथा निरोगी जीवन के लिये ध्यान साधना को बेहद सार्थक विज्ञान मानते थे।

विपश्यी होने के कारण वे जीवन पर्यंत स्वस्थ और ऊर्जा से पूरित रहे तथा पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच प्रतिदिन जनसेवा के कार्य करते ही थे। यह भी उनके मनुष्यवादी महान सोच का उदाहरण है कि वे चाहते थे कि उनके निधन के बाद उनकी देह को दान किया जाये इसलिए उन्होंने 29 मार्च 2019 को ही एम्स रायपुर में देहदान करने की सहमति दी थी और उन्हें एम्स की ओर से सम्मान पत्र की प्राप्त हुआ था। मरणोपरांत परिजनों ने उनकी इस अभिलाष को पूरा करते हुए 10 दिसंबर 2024 को एम्स रायपुर में उनके देह का दान किया जो कि भावी पीढ़ी के लिए भी एक प्रेरणा का प्रसंग बना रहेगा।

नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के आम निर्वाचन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया गया

मोहला (दावा)। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के अंतर्गत नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के आम निर्वाचन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली का अंतिम प्रकाशन किया गया है। निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के आधार पर कुल मतदाताओं की संख्या 7326, इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 3450 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 3926 था। निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए निर्धारित तिथि में प्राप्त दावा आपत्ति के दौरान प्राप्त आवेदन में प्रारूप क में 25 आवेदन स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार प्रारूप क्रं 1 में 196 आवेदन स्वीकृत किया गया है। इस तरह से दावा आपत्ति के उपरांत कुल मतदाताओं की संख्या 7580 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 3541 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 4039 है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही राज्य निर्वाचन आयोग से नियुक्त पंचायत एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक छन्नूलाल मारकण्डेय अपर कलेक्टर राजनांदगांव की देखरेख में किया गया है।

प्रथम पेज का शेष

साय सरकार का एक साल...

सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। मोदी की गारंटी के अनुरूप यहां किसानों से 3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी की जा रही है। किसानों को उनके हक का 3716 करोड़ रूपए धान के बकाया दो साल के बोनस का भुगतान भी किया गया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि, भूपेश बघेल के करप्शन की सरकार थी तो राहुल गांधी ने 72 हजार सालाना देने की बात कही थी। कांग्रेस की सरकार में मिला क्या? हमारी सरकार ने महतारी वंदन योजना से 1-1 हजार देने की बात कही थी। जिसे हमने सरकार में आते ही पूरा किया। आपने जिसे सत्ता में बिठाया है, उसके रहने और नहीं रहने से क्या फायदा होगा। इसका भी मूल्यांकन करना चाहिए। बीजेपी सिर्फ विकास की राजनीति करती है। भाजपा लोगों की सेवा के लिए बनी है। कांग्रेस पार्टी लोगों का हक छीनकर मेवा खाने का काम करती है। कांग्रेस पार्टी को आराम दो, यहां बैठे लोगों को काम दो। जो काम कर रहे हैं, उनको मौका दो। उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस का खोटा सिक्का नहीं चलेगा। कांग्रेस के लोग कहते थे महतारी वंदन योजना बंद हो जाएगी। योजना तो बंद नहीं होगी, लेकिन कांग्रेस का भविष्य बंद हो जाएगा।

सीएम साय सहित कई मंत्रियों ने किया स्वागत- एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने उनका स्वागत किया। सीएम विष्णुदेव साय ने ढोकरा शिल्प से बनी अयोध्या राम मंदिर की प्रतिकृती भेंट की। वहीं मंत्रियों ने गज माला पहनाकर जेपी नड्डा का किया स्वागत।

जनसंपर्क के वीडियो का किया गया विमोचन- जनसंपर्क विभाग द्वारा बनाए गए वीडियो का विमोचन किया गया। एक साल बेमिसाल टैग लाइन पर यह वीडियो बनाया गया है। वीडियो में सरकार की उपलब्धियों को पिरोया गया है। जिसमें 1124 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण और भूमिपूजन, अतिथियों की रिमोट बटन दबाकर दी सौगात, पद्मश्री सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक की लाइव सैंड आर्ट की प्रस्तुति। सरकार की योजनाओं को सैंड आर्ट में उकेरा गया है।

नई दिल्ली सीट से ही चुनाव लड़ेंगे केजरीवाल....

केजरीवाल ने कहा, यह चुनाव केजरीवाल के नाम पर लड़ा जा रहा है और मैं दिल्ली का मुख्यमंत्री बनूंगा। सीएम का बंगला पीडब्ल्यूडी ने बनाया है- केजरीवाल- मुख्यमंत्री के रूप में 'शीशमहल' में रहने के विवाद और भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि उत्तरी दिल्ली में 6, फ्लैग स्टाफ रोड पर स्थित बंगला दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए था। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में वहां रहता था। अगर कोई और दिल्ली का मुख्यमंत्री बनता है, तो वह वहां रहेगा। मैंने बंगला नहीं बनाया। इसे पीडब्ल्यूडी ने बनाया था। जब वह एक कार्यकर्ता थे तो झुग्गी बस्ती में रहते थे।

मेरा मिशन दिल्ली बचाओ है- केजरीवाल- केजरीवाल ने कहा कि जब से उन्होंने मुखरता से दिल्ली में खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति और गैंगस्टर कैसे पनप रहे हैं, के बारे में बात करना शुरू किया है, तब से भाजपा ने इस मुद्दे को उठाना शुरू कर दिया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'भाजपा -केजरीवाल हटाओ' मिशन के साथ विधानसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि मेरा मिशन दिल्ली बचाओ है। सिसोदिया ने अवध ओझा को अपनी सीट ऑफर की- केजरीवाल- केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि उनके पूर्व डिप्टी और वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया ने पार्टी में शामिल होने के बाद खुद जाने-माने शिक्षक अवध ओझा को अपनी पटपड़गंज सीट की पेशकश की थी। उन्होंने कहा, ÷यह उन दोनों के बीच एक समझ थी।÷ सिसोदिया अब जंगपुरा सीट से चुनाव लड़ेंगे। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा का चुनाव सत्तारूढ़ आप और विपक्षी दलों भाजपा और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के रूप में उभर रहा है।

'संविधान में भगत सिंह और...

संविधान ने आम आदमी को सरकार बदलने की भी ताकत दी है। हमारा संविधान न्याय की गारंटी देता है। संविधान हमारा कवच है। पिछले 10 सालों में इस सुरक्षा कवच को तोड़ने का प्रयास किया गया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ÷हमारे संविधान ने आर्थिक न्याय की नींव डाली। किसानों, गरीबों को जमीन बांटी। पहले जब संसद चलती थी, तो बेरोजगारी और महंगाई पर चर्चा होती थी। लोगों को उम्मीदें होती थी कि संसद में हमारे मुद्दे को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा होगी। आज ऐसा बिल्कुल भी देखने को नहीं मिल रहा है।'

कवर्धा में एसडीएम को पीटा....

0 इसलिए हुई झड़प - देर शाम को एबीवीपी के कार्यकर्ता एसडीएम ऑफिस के सामने धरने पर बैठे और पटवारी को सस्पेंड करने की मांग करने लगे. कार्यालय के सामने धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं को एसडीएम संदीप ठाकुर खुद हटाने लगे. इसी बीच जमकर झड़प हुई. कुछ देर हटने के बाद एबीवीपी के कार्यकर्ता रात को फिर धरने पर बैठ गए और पटवारी को निलंबित करने मांग करने लगे.आधी रात तक यहां बवाल चलता रहा. इन कार्यकर्ताओं ने रिश्वत मांगने वाली ऑडियो भी उपलब्ध कराई है. इनके धरना प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्टर गोपाल वर्मा ने इन्हें समझाईश दी. इसके बाद धरना समाप्त कर वे वापस लौटे.

सीएम साय ने देर रात बुलाई ....

इस मंदिर में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राजपरिवार से आकर महिला सशक्तिकरण के लिए अपना पूरा जीवन बलिदान करने वाली राजमाता सिंधिया की मूर्ति लगाई है, ऋषि दधीचि की तरह संगठन की रचना करने वाले कुशाभाऊ ठाकरे और भारतीय जनसंघ को भारतीय जनता पार्टी के रूप में समाज में प्रतिस्थापित करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाले भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भी मूर्ति लगाई गई है।

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ...

'हमने सोचा था कि सीबीआई इस मामले की तेज़ी से जांच करेगी और दोषियों को सज़ा दिलाएगी। लेकिन अब जब आरोपियों को जमानत मिल गई है, ऐसा लगता है जैसे सिस्टम हमें विफल कर रहा है।' डॉक्टर के पिता ने कहा कि हमारा दिल टूट गया है। हमने सीबीआई पर भरोसा किया था कि वे हमारी बेटी के लिए न्याय सुनिश्चित करेंगे, लेकिन अब हमें लग रहा है कि शायद हमें कभी न्याय नहीं मिलेगा। हर दिन लगता है कि क्या यह एक और मामला होगा, जिसमें शक्तिशाली लोग बिना सज़ा के बच जाएंगे। बता दें कि आरजी कर हॉस्पिटल में नाइट ड्यूटी पर तैनात ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बरता हुई थी। यहां सेमिनार हॉल में दुष्कर्म के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस और कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठे थे। देशभर में विरोध प्रदर्शनों के बीच हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सीबीआई ने 9 अगस्त को केस अपने हाथों में लिया और मामले की जांच शुरू की।

दो पक्षों विवाद : एक दूसरे के खिलाफ दर्ज कराई पुलिस में रिपोर्ट

डोंगरगढ़(दावा)। डोंगरगढ़ चिचोला मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम कल्याणपुर में सुधांशु बक्शी को प्लास्टिक रीसाइकलिंग फैक्ट्री के लिए पंचायत द्वारा दिए गए एनओसी को लेकर विगत अनेक दिनों से धरना प्रदर्शन के साथ-साथ ज्ञापन के माध्यम से अधिकारियों के समक्ष पक्ष - विपक्ष द्वारा एक दूसरे के खिलाफ आरोप प्रत्यारोप लगाया जा रहा था।

किंतु कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि पक्ष-विपक्ष द्वारा पुलिस में एक दूसरे के खिलाफ लड़ाई झगड़ा, गाली गुप्तार और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। जेल रोड वार्ड नंबर 20 डोंगरगढ़ के निवासी गोपाल यादव पिता स्वर्गीय प्राणनाथ यादव ने पुलिस को बताया कि वह ग्राम गाजमर्रा एवं कल्याणपुर का कृषक है तथा डोंगरगढ में मेरा बारदाना का व्यवसाय है। ग्राम गाजमर्रा एवं कल्याणपुर में मेरा 40 साल से आना जाना है। दिनांक 8 दिसंबर को शाम 4 बजे मैं मजदूर ढुंढने कल्याणपुर गया था। वापस डोंगरगढ आते समय यात्री प्रतिक्षालय के पास दुकान के बाजू में सार्वजनिक कुर्सी में बैठकर ग्राम कल्याणपुर के भरोसी नामक आदमी के साथ बातचीत करते हुये बैठा था। तभी वहां से उपसरपंच

मामला - सुधांशु बक्शी को प्लास्टिक रि-सायकलिंग फैक्ट्री के लिये पंचायत द्वारा एनओसी देने का

अनिल गायकवाड़ नामक आदमी डोंगरगढ की ओर से पहुंचा और मुझे देखते हुये दो राउण्ड लगाया और उसके जाते ही डोंगरगढ़ की तरफ से सरपंच पति दिलीप वर्मा और उसका भतीजा कौशल वर्मा सीधे मेरे पास आकर मुझे मां-बहन की गाली गलौज करते हुये हमारे खिलाफ न्यायालय में मुकदमा लगाया है कहकर तू गांव में दिखना मत गांव में कदम मत रखना नही तो तेरा हड्डी पसली तोड़ देगे दुबारा और मारपीट करेगे कहते हुये हाथ मुक्का एवं मोटर सायकल के चाबी से एवं लात से मारपीट किये है। जिससे मेरे बांया कमर में, बांये पसली में, दाढ़ी में दाहिने तरफ, होंट में चोंट लगकर दर्द हो रहा है। नाक व मुंह में खून निकला है। जिससे मेरा कपड़ा खून से लथपथ हो गया है। पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। ग्राम कल्याणपुर निवासी दिलीप वर्मा ने पुलिस को बताया कि, वह खेती किसानी का काम करता है। दिनांक 8 दिसंबर को अपने भतीजा कौशल कुमार वर्मा के साथ मोटर सायकल से खैरागढ से वापस अपने घर कल्याणपुर आ रहा था तभी कल्याणपुर यात्री प्रतिक्षालय के पास गोपाल यादव बैठा था। मुझे आते देखकर गोपाल यादव ने सुधांशु बक्शी को प्लास्टिक रि-सायकलिंग फैक्ट्री के लिये क्यों एनओसी दिये हो कहकर मुझे मां-बहन की गंदी-गंदी गाली दिया और पीछे से आकर मेरा गला पकड़ लिया और हाथ मुक्का से मारपीट किया तब मेरा भतीजा कौशल वर्मा बीच-बचाव किया तो उसे भी हाथ मुक्के से मारपीट किया है। मारपीट करने से मेरे गले के पीछे एवं दाहिने हाथ पंजे के उपर चोंट लगा है और मेरे भतीजे के बांये गाल में चोंट लगा है। पूर्व में महिना भर पहले एनओसी के संबंध लड़ाई झगडा किया है तथा मुझसे मनमुटाव रखता है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

> पंचायत द्वारा दिए गए एनओसी को लेकर अनेक मर्तबा विवाद की स्थिति बन रही है - **सरपंच प्रतिनिधि दिलीप वर्मा**

ग्राम दक्कोटोला में मानव अधिकार दिवस मना

बांधाबाजार (दावा)। देश के हर मानव को जीवन जीने के लिए संवैधानिक अधिकार दिया गया है। इसी परिपेक्ष में लोगों में जन जागृति लाने के लिए समग्र सृष्टि समाज सेवी संस्था ग्राम दक्कोटोला तहसील अंबागढ़ चौकी जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा संस्था के सामुदायिक सीख केंद्र सुरता से सृजन में 10 दिसंबर को एक दिवसीय मानव अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मृगेंद्र सिंह (लखनऊ)एवं संस्था की अध्यक्ष श्रीमती सुनंदा मोहुर्ले के प्रमुख उपस्थिति मे तथा विशेष अतिथि बतौर नीरज कुमार चंदेलिया (राजस्थान) के प्रमुख उपस्थिति कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में वनांचल जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी के दो तहसील मोहला तथा अंबागढ़ चौकी के दो तहसील के अनेक गांव के महिला पुरुष शामिल थे। इस कार्यक्रम का प्रस्ताविक भाषण संस्था के समन्वयक जयदेव मोहुर्ले ने बताया कि वनांचल के लोगों को अभी भी अपने हक अधिकार की जागृति नहीं होने के कारण लोग अनेक शासकीय योजनाओं से वंचित होते हैं। इस योजना से लाभान्वित ना होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहती है। यह लोग अपनी बात किसी शासकीय कार्यालय अन्य शासकीय विभाग के

अधिकारी कर्मचारी के पास नहीं रख सकते हैं क्योंकि इन्हें उन अधिकारों के बारे में ज्ञात नहीं है जो संविधान ने इनके लिए प्रावधान किया है। यदि हम संवैधानिक अधिकारों का उपयोग नहीं करते हैं तो यह आदमी युग तथा अंग्रेजों के शासन काल की तरह ही हमें गुलामी के बंधन में रहकर जीवन जीना होगा। इसलिए हम अपने संवैधानिक अधिकारों को जाने समझे पहचानने का प्रयास करें। आजादी के इतने वर्षों बाद भी यदि हम अपने मौलिक अधिकारों को अपने संवैधानिक अधिकारों को जीवन जीने के अधिकारों को यह नहीं जानते हैं तो हमें समझना चाहिए कि एक तो हम निरक्षर है या हम लोग ग्राम सभा में अपनी उपस्थिति नहीं देते है। इसलिए किसी योजना की जानकारी लेने का अधिकार नहीं समझते या किसी कार्यालय में किसी के माध्यम से पहुंचते हैं तो वहां बोलने का या अपना हक अधिकार जानने का प्रयास नहीं करते हैं यह हमारा दुर्भाग्य रहा है कि आज इस कार्यक्रम का आयोजन करके आप लोगों में जन जागृति लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मृगेंद्र सिंह ने अपने उदबोधन में लोगों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि संस्था के माध्यम से पता चला है कि यह नया जिला है और वनांचल का आदिवासी बाहुल्य जिला है। यहां निरक्षरता का प्रमाण अधिक नहीं होने के कारण यहां के लोग गरीब वंचित शोषित पीड़ित लोग है सदैव शासकीय योजनाओं से हमेशा वंचित रहते हैं। जिसका फायदा चंद पढ़े लिखे लोग एवं शहर के लोग फायदा उठाते है। विशेष अतिथि के आसंदी से नीरज कुमार चंदेलिया ने संबोधित करते हुए जन समुदाय को बताया कि मानव का अधिकार को भारतीय कानून में संवैधानिक अधिकार के रूप दर्ज किया गया है जो सबको सम्मान करना चाहिए। मानव को हर प्रकार के अधिकार का उपयोग करना चाहिए।

आलकन्हार स्कूल में पुलिस ने चालाई जागरुकता अभियान आयोजित

बांधाबाजार (दावा)। आलकन्हार (मोहला) विकासखण्ड मोहला के अन्तर्गत आने वाले संकुल आलकन्हार स्कूल में विद्यार्थी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों छात्र, छात्रों को उनके अधिकार क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें साइबर क्राईम, यातायात सुरक्षा, साथ ही बालिकाओं को विशेष सुरक्षा पास्को एक्ट में आने वाली समस्याओं पर जानकारी दी गई। जिसमें गुड टच, बेड टच, बाल श्रम, मानव तस्करी और बच्चों को समझाया गया। व गलत कार्य न करने, चुपचाप न रहने अपनी-अपनी माता पिता क़रीब को, परिवार जनों को जानकारी देने कहां गया ताकि बढ़ रहे अपराध, अनहोनी को रोका जाए। जिसमें टी.आई टोप्पों सर यातायात नियमों अपराधों साइबर सुरक्षा ठगों की जानकारी लगने पर 1930 पर काल कर सुरक्षा प्राप्त करने की जानकारी दी गई। जिसमें आलकन्हार प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल, हायर सेकंडरी स्कूल, चापाटोला, मरारटोला के बच्चे और प्राचार्य गौरीशंकर साहू, पी.एल. देशमुख, महेश रावटे व अन्य शिक्षक सम्मिलित हुए।

जोशीलमती सोसायटी में धान परिवहन नहीं होने से खरीदी बंद होने की कगार पर

छुरिया (दावा)। विकासखंड अंतर्गत गैंदाटोला ब्रांच के अधीन आने वाले जोशीलमती सोसायटी में शासन के निर्देशानुसार 14 नवंबर से सभी सोसायटीयों में धान खरीदी प्रारंभ कर दिया गया है। परिवहन नहीं होने से सभी सोसायटी में खरीदी बंद होने की संभावना है। जोशीलमती सोसायटी में 11 दिसम्बर तक की 12544.40 क्विंटल मोटा धान, 31456 क्विंटल पतला धान, 5735.60 किलो सरना कुल 49736 क्विंटल की धान खरीदी किया गया है। जिसमें 11 दिसम्बर तक कुल परिवहन मात्र 10678 क्विंटल किया गया है। सोसायटी में अभी भी 39058 क्विंटल धान का स्टॉक है। उक्त धान खरीदी केन्द्र में परिवहन नहीं होने पर रखने के लिए जगह नहीं है। अगर आज कल में धान परिवहन नहीं हुआ तो 16 दिसम्बर से खरीदी बंद होगी।

उक्त संबंध में संबंधित अधिकारियों को बार-बार अवगत कराया जा रहा है लेकिन शासन प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। प्रर्याप्त मात्रा में परिवहन नहीं होने से 40 प्रतिशत आफ लाईन टोकन भी प्रर्याप्त मात्रा में नहीं कांटा जा रहा है। जिससे भी किसान परेशान हैं। धान कटाई दीपावली त्यौहार के समय से धान कटाई मिजाई समाप्त हो चुका है। किसानों का धान घर में रखे रखे सुख रहा है। जिससे किसानों में आक्रोश की स्थिति बनी हुई है। अगर धान खरीदी बंद हुआ तो खोराटोला, गर्रापार केशाल, दैहान, हर्राटोला, मावली चुवा, थैलीटोला, दतरेंगाटोला, जोशीलमती, पठान ढोड़गी, कोलियारी, कोलिहालमती, केसाल आदि गांव के किसानों द्वारा चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उक्त बात की जानकारी धान बेचने वाले किसानों ने दिया।

बैहाटोला में जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ रंगारंग शुभारंभ

खैरागढ़ (दावा)। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर चन्द्रकांत वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समीपस्थ ग्राम बैहाटोला में जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आज रंगारंग शुभारंभ हुआ।

इस प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू, पांडादाह मंडल भाजपा महामंत्री गोरेलाल वर्मा, कलेक्टर चन्द्रकांत वर्मा, डीएफओ आलोक तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। अतिथियों ने विधिवत पूजा–अर्चना कर प्रतियोगिता शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजन के लिए शिक्षा विभाग, ग्रामीणजन एवं स्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए अग्रीम बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

साथ ही खेल स्पर्धा में भाग लेने पहुंचे खिलाड़ियों के साथ अतिथियों का परिचय भी कराया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुश्री नीलम राजपूत ने विभागीय प्रतिवेदन का वाचन करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में जिले से 4 जोन को शामिल किया गया है।। जिसमें 2 जोन खैरागढ़ और 2 जोन छुईखदान से संबंधित है। इस तरह चारों जोन से लगभग छह सौ प्रतिभागी विभिन्न विधाओं जैसे कबड्डी, खो– खो, गोला फेंक, चक्र फेंक, दौड़ सहित छोटे– छोटे बच्चों के लिए गोली चम्मच, सुई धागा, जलेबी दौड़ जैसे मनोरंजक खेलों में भी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। यह दो दिवसीय आवासीय आयोजन है, जिसमें बच्चों के आवास सहित सुरक्षा संसाधनों का भी पर्याप्त ध्यान रखा गया है।

आयोजन में बच्चों के साथ जोन प्रभारी शिक्षक और कोच मास्टर भी बच्चों के साथ अपनी उपस्थिति दिए हैं। यह आयोजन पूर्णतः सामुदायिक सहभागिता के साथ ग्राम बैहाटोला के नागरिकगण, आस–पास क्षेत्र के शिक्षक–शिक्षिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें प्रतिभागी बच्चों के लिए भोजन, स्वल्पाहार आदि की भी व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर ग्राम सरपंच राधे लाल ऊके, जिला खेल अधिकारी कन्हैया पटेल, बीआरसी सुजीत सिंह चौहान सहित अंचल के नागरिकगण, ग्रामवासी, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

कलडबरी में 5 दिवसीय किक्रेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

जोंधरा (दावा)। कलडबरी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में गुरुवार को क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी कैलाश शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे। 5 दिन तक चलने वाले क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता को इनामों से सम्मानित किया जाएगा। कलड़बरी मे पाँच दिवसीय टेनिश बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें 32 टीमें भाग ले रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजसेवी कैलाश शर्मा ने कहा कि खेल को खेलों की भावना से खेलना चाहिए। हार व जीत खेलों का अभिन्न हिस्सा है। जीत से खिलाड़ियों को अति उत्साहित तथा हार से निराश नहीं होना चाहिए। वहीं आयोजन समिति को भी सभी टीमों को उचित व्यवहार के साथ खिलाना चाहिए। जिससे आपसी प्रेमभाव बड़े । इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी सहित विशेष अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष बोधन साहू, जनपद सभापति किसुन साहू पूर्व सरपंच महरूम सुमित मांडवी, दिग्विजय, भूपेंद्र मिश्रा, ग्राम कलड़बरी सरपंच कुसुमलता साहू एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे तथा उद्घाटन मैच मे मेजबान टीम व खुर्शीपार के बीच मैच हुआ जिसमें खुर्शीपार विजय प्राप्त किया।

राजनांदगांव के विकास पुरुष ने फिर दी करोड़ों की सौगात - रविंद्र रामटेके

राजनांदगांव (दावा)। अपने मुख्यमंत्रित्व काल में विकास पुरुष के नाम से जाने पहचाने जाने वाले डॉ. रमन सिंह वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष रहते हुए भी विकास पुरुष बने हुए हैं। यह कहते हुए जिला भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविंद्र रामटेके ने कहा कि राजनांदगांव को नई पहचान डॉ रमन सिंह ने ही दी है। वे आज भी विकास पुरुष बने हुए हैं। आज तक अरबो रुपये की सौगात राजनांदगांव दे चुके हैं। हाल ही में उन्होंने करोड़ों रुपए की सौगात देकर क्षेत्रवासियों के चेहरे में नई मुस्कान दी है। उन्होंने कहा कि डॉ. रमन सिंह का स्थान राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के इतिहास में ना किसी ने लिया है ना आगे कोई ले सकता है।

श्री रामटेके ने आगे कहा कि विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए विधानसभा अध्यक्ष व राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के अथक प्रयासों से राजनांदगाँव के विकास

कहा - इस संसदीय क्षेत्र में डॉ. रमन का स्थान ना किसी ने लिया है ना कोई ले सकता है

के लिए राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण निधि से कुल 8 करोड़ 60 लाख 10 हजार रुपए की लागत के 113 विकास कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों में राजनांदगांव के शहरी क्षेत्रों/वार्डों के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण, शेड निर्माण, गार्डन सौंदर्यीकरण और जिम सामग्री के लिए 5 करोड़ 63 लाख 80 हजार रुपए की राशि स्वीकृत दी गई है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों में सीसी रोड, छत निर्माण, सांस्कृतिक मंच और नाली निर्माण जैसे कार्यों के लिए 2 करोड़ 63 लाख 30 हजार रुपए तथा अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण, सामुदायिक भवन, मंच और अन्य निर्माण कार्यों के लिए 33 लाख रुपए राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

शासन के इस निर्णय पर राजनांदगांव विधायक व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा का आभार व्यक्त किया है। इन विकास कार्यों से न केवल राजनांदगांव के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी, बल्कि यहां के निवासियों की जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। इसके साथ ही राजनांदगांव के नागरिकों ने इन विकास कार्यों की स्वीकृति पर विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार व्यक्त किया और उनकी विकास के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की।

मोदी सरकार दूरदर्शिता के साथ काम कर रही है - विक्रांत सिंह

खैरागढ़ (दावा)। केंद्रीय कृषि एवं कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राज्यसभा में किसानों को फसलों में 50 प्रतिशत से ज्यादा का एमएसपी तय करने के साथ ही किसानों के उपज खरीदी कर किसानों को लाभकारी मूल्य देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए आश्वस्त किया है।

जिसके लिए प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य व राजनांदगांव जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपनी बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह कदम मोदी सरकार, मोदी जी की गारंटी वादा को पूरा करने की गारंटी है, विक्रांत सिंह ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के कल्याण और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बहुत ही दूरदर्शिता से काम कर रही है। पहले वर्ष 2013-14 में मात्र 21900 करोड रुपए का कृषि के लिए बजट था।

जो अब मोदी सरकार में बढ़कर 122528 करोड़ कृषि बजट हो गया है। सरकार का लक्ष्य है कि उत्पादन बढ़ाये, उत्पादन की लागत घटे, उत्पादन का उचित मूल्य किसानों को मिले, फसल नुकसान हो तो उसके भरपाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के द्वारा किया जाना, प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों का आय बढ़ाने की दिशा में भाजपा सरकार काम करने जा रही है।

लोधी समाज भवन का उद्घाटन : समाज के विकास और एकता को मिला नया आयाम - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़(दावा)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विष्णु लोधी ने आज ग्राम माड़ीतराई में लोधी समाज के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ साथ ही लोधी समाज के जिला अध्यक्ष उत्तम जंघेल, जिला उपाध्यक्ष लखन वर्मा एवं छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं मुख्य अतिथि के रूप में डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू एवं विशेष अतिथि के रूप में ब्लॉक अध्यक्ष भावेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव, जनपद सदस्य मनोज सिन्हा, सरपंच ईश्वरीय साहू, मोती वर्मा योगेश वर्मा एवं बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उद्घाटन अवसर पर उपस्थित सामाजिक जनों को संबोधित करते हुए विष्णु लोधी ने कहा, यह भवन हमारे समाज की एकता, प्रगति और सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। यह भवन न केवल हमारी परंपराओं और विरासत को सहेजेगा, बल्कि शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में नई संभावनाएं उत्पन्न करेगा। उन्होंने अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए समाज को उनके प्रेरणास्त्रोत से सीख लेने का संदेश दिया। साथ ही विष्णु लोधी ने लोधी समाज के नाम से लोधी भवन प्रदान करने पर विधायक दलेश्वर साहू का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। एवं सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

क्विज प्रतियोगिता में गजेंद्र साहू प्रथम

राजनांदगाव (दावा)। जिले के विधायक आदर्श ग्राम सुरगी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में 12 दिसम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य के 1 वर्ष पूर्ण होने पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य एन.के. साहू और अध्यक्षता किये और समस्त व्याख्यातागणों में योगेश गौतम, बसंती शर्मा, दिनेश सिन्हा, कु. वंदना देवांगन, चारुलता भौतमांगे, हेमलता साहू, स्मिता मिश्रा, किरण साहू, गीतांजलि साहू, चित्रलेखा साहू, नीरा ठाकुर, वीरेन्द्र टेम्भुरकर, सुशील नारायण शर्मा, अरुणा साहू, देवेंद मंडावी, बलराम आर्य, शिवम झा, पंकज चंदेल, क्षत्रपाल देशमुख, देवेंद्र साहू, और भृत्य मनीष अवस्थी, प्रमिला राय आदि लोग उपस्थित थे।

साय सरकार के 1 वर्ष में उपलब्धियां ही उपलब्धियां - मो. इरफान शेख

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इरफान शेख और जिला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री जहीर अब्बास ने छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार के 1 साल पूरा होने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार 15 साल तक स्थिर रही इस तरह विष्णुदेव साय की सरकार को भी यहां की जनता स्थिर देखना चाहती है। उनके एक वर्ष के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए जनाब शेख व अब्बास ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि राजनंदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह भाजपा शासन के इस कार्यकाल में विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर गरिमापूर्ण ढंग से दायित्व निभा रहे हैं। साथ ही शायद सरकार को अपने अनुभवों का लाभ दे रहे हैं। यही

भाजपा सरकार को स्थिर देखना चाहती है जनता - जहीर अब्बास

कारण है कि साय सरकार का 1 वर्ष का कार्यकाल शानदार रहा है। जनता भी हमारी सरकार की योजनाओं से खुश है और इसे बहुत लंबे समय तक स्थिर देखना चाहती है।

जनाब शेख और अब्बास ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने अपने शानदार 1 वर्ष का सफर पूरा किया है। इस एक साल में सरकार ने अपने वादों को हकीकत में बदलते हुए जनता के कल्याण और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। भाजपा सरकार ने किसानों की आय को बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए धान खरीदी प्रक्रिया को प्रभावी बनाया। रिकॉर्ड मात्रा में धान की खरीदी हुई और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया। किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने 2 साल का बोनस जारी कर उनकी मेहनत का सम्मान किया। यह कदम राज्य के कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए एक बड़ा उदाहरण है। महतारी वंदना योजना के तहत महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए। माताओं के स्वास्थ्य और नवजात शिशुओं की देखभाल पर विशेष ध्यान दिया गया। सरकार ने अपने घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने में पूरी प्रतिबद्धता दिखाई। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना हो या रोजगार के अवसर हर क्षेत्र में विकास की नई कहानी लिखी गई। राज्य में शहरी और ग्रामीण विकास को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाया गया। सड़कों, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई। भाजपा सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। सरकार की यह उपलब्धियां राज्य के उज्ज्वल भविष्य का संकेत हैं।

जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए कोमल, दीपक, तरुण का लहराया नाम

उत्तर/दक्षिण मंडल अध्यक्ष के लिए दर्जनों आए नाम, तीन नामों के पैनल पर होगा विचार

31 तक घोषित हो जाएगा नए जिलाध्यक्ष का नाम, ब्लाक अध्यक्ष व ग्रामीण अध्यक्ष के लिए 15 को होगा मंथन

डॉ. रमन सिंह की पसंदीदा पर लगेगी मुहर

ज़्यादातर माना जा रहा है कि भाजपा जिलाध्यक्ष के चयन के लिए राजनांदगांव का दो दशक से प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय विधायक व वर्तमान छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आशीर्वाद महत्वपूर्ण है। इसके अलावा प्रदेश ही नहीं केंद्रीय संगठन भी राजनांदगांव के किसी मामले में डॉ. रमन के निर्णय को महत्व देते हैं। यही वजह है कि ज्यादातर दावेदार डॉ. सिंह के आशीर्वाद के आकांक्षी बने हुए हैं। उक्त सांगठनिक चुनाव में शहरी क्षेत्र के दावेदारों के चयन में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। भाजपा कार्यकर्त्ता उनसे संपर्क बनाये हुए है।

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा द्वारा बूथ स्तर पर जारी संगठन चुनाव की प्रक्रिया के चलते जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष व ग्रामीण अध्यक्ष के लिए कई नाम सामने आए हैं। इसमें जिला अध्यक्ष के लिए आए आधा दर्जन नामों में से सर्वाधिक चर्चा पूर्व मंडी उपाध्यक्ष व प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के नाम पर हो रही है।

इसी के साथ पूर्व पार्षद दीपक चौहान व भाजपा दक्षिण मंडल के तरुण लहरवानी का नाम लहरा रहा है। हालांकि जिला अध्यक्ष बनने के लिए सावन वर्मा, बालू भंसाली का नाम भी शुमार है, लेकिन सर्वाधिक जोर कोमल, दीपक और तरुण के नामों पर दिख रहा है। यदि स्थानीय विधायक व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन.सिंह व पूर्व सांसद अभिषेक सिंह का पलड़ा इन तीनों में से किसी एक पर भी झुकता दिखे तो उसका जिला भाजपा अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है।

मंडल अध्यक्ष के लिए दर्जनों नाम

बता दें कि भाजपा जिलाध्यक्ष चुनाव के पहले 15 दिसंबर तक उत्तर ब्लाक व दक्षिण ब्लाक सहित ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष का नाम सामने आ जाएगा।

उत्तर भाजपा अध्यक्ष के लिए युवा नेता ऋषिदेव चौधरी, पार्षद मणिभास्कर गुप्ता, पारुल जैन, आलोक श्रोती व प्रखर श्रीवास्तव तथा दक्षिण ब्लाक के लिए मनोज निर्वाणी, गोलू गुप्ता व गोलू सूर्यवंशी के नाम सामने है। वहीं ग्रामीण अध्यक्ष के लिए मनोज साहू का नाम सर्वाधिक चर्चा में है। अब देखना यह है कि उपरोक्त नामों में से किस नाम पर भाजपा महानुभावों का नजरें इनायत होती है। सूत्रों की मानें तो ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष के लिए मनोज साहू चुने जा सकते हैं। इस नाम पर किसी को आपत्ति नजर नहीं आ रही हैं। ध्यान रहे कि कल 15 दिसंबर तक सभी 15 मंडलों में अध्यक्ष का चुनाव कर लेना है। दावेदारों के बीच समन्वय और आपसी सहमति के लिए अलग से समिति है। दावेदारों के बीच यदि मंडल व जिला स्तर पर सहमति नहीं बनी तो प्रदेश संगठन को तीन नामों कि पैनल बनाकर भेजा जाएगा। इसके बाद 25 दिसंबर को भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए नामों का चयन होगा।

संगठन चुनाव में युवाओं पर फोकस

जानने में आ रहा है कि इस बार के संगठन चुनाव युवाओं पर फोकस कर किया गया है। संगठन चुनाव में आयु सीमा का नए सिरे से निर्धारण ने युवा कार्यकर्ता में उत्साह का संचार कर दिया है। मंडल अध्यक्षों के लिए आयु सीमा 35 से 45 वर्ष रखी गई है, वहीं जिला अध्यक्ष के लिए अनुभव को ध्यान में रखते हुए इसके लिए अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष है। दावेदार इसी के आधार पर अपनी लाबिंग कर रहे हैं। सभी मंडलों में अध्यक्ष का चयन करने के लिए समन्वय समिति बना रखी है। यह समिति दावेदारों को बैठाकर रायशुमारी के साथ आपसी सहमति बनाएगी। बात नहीं बनने पर तीन नामों का पैनल बनाकर जिला संगठन को भेजेगी। इसमें कोर कमेटी अध्यक्ष का निर्णय करेगी या फिर आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश संगठन को भी नामों का पैनल भेजा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यही प्रक्रिया जिलाध्यक्ष के लिए अपनाई जाएगी। जिला स्तर पर भी समन्वय समिति को आपसी सहमति से ही अध्यक्ष का चुनाव करना है।

15 को खुलेगा लिफाफा

भाजपा संगठन चुनाव प्रभारी दिनेश गांधी की मानें तो 15 दिसंबर यानी कल सभी दावेदारों का लिफाफा खुलेगा। इसके बाद इनके नामों पर मंथन किया जाएगा। किसी एक नाम पर सर्वसम्मति बनने पश्चात नामों की घोषणा की जाएगी। इसी तरह 25 दिसंबर तक जिलाध्यक्ष के दावेदारों के नाम पर इसी तरह प्रक्रिया अपनाई जाएगी। किसी एक नाम पर सर्वसम्मति होने पर 31 दिसंबर तक जिलाध्यक्ष का नाम घोषित हो जायेगा।

परिवहन नहीं होने से समिति प्रबंधकों ने धान खरीदी से खींचे हाथ

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 19 से धान खरीदी बंद

राजनांदगांव (दावा)। मिलरों के पिछले साल का भुगतान नहीं होने के चलते संग्रहण केंद्रों से धान उठाव के लिए असहयोग आंदोलन शुरू करने के बाद अब समिति प्रबंधकों ने भी धान खरीदी करने से हाथ खींच लिए हैं। इस संबंध में जिला सहकारी प्रबंधक एवं कर्मचारी संघ के द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर धान खरीदी बंद किए जाने की सूचना दी गई है।

19 से धान खरीदी बंद

कलेक्टर को सौंप गए ज्ञापन में समिति प्रबंधकों ने कहा है कि जिले के 74 सोसायटियों के माध्यम से 96 उपार्जन केन्द्रों एक माह से धान खरीदी की जा रही है। लेकिन खरीदी के दौरान नाम मात्र का परिवहन होने के कारण खरीदी केंद्रों में जगह का अभाव उत्पन्न हो गया है जिसके चलते धान खरीदी से लेकर अन्य समस्याएं बनी हुई है।

अतः युनियन द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाकर 19 दिसंबर से धान खरीदी बंद की जा रही है। साथ ही कहा गया है कि पूरे जिले में धान स्टाक बफर लिमिट से कम नहीं होने तक प्रबंधको द्वारा धान खरीदी नहीं की जाएगी। ज्ञापन की प्रति जिला खाद्य अधिकारी व विपणन अधिकारी को भी दी गई है।

गठुला सोसायटी में खरीदी बंद की लटकी तलवार

शहर से लगे गठुला सोसायटी में भी धान जाम होने से वहां खरीदी बंद होने की तलवार लटकी हुई है।

जिला सहकारी प्रबंधक समिति एवं कर्मचारी संघ के अध्यक्ष किशुनलाल देवांगन ने बताया कि गठुला सोसायटी में 48 हजार क्विंटल धान रखी हुई है जबकि मात्र 7 हजार क्विंटल का ही परिवहन हो पाया है। उन्होंने कहा कि उनके 31 साल के कार्यकाल में कभी भी इस तरह 7-8 गुना धान जाम नहीं हुआ है। केंद्रों में धान जाम के उठाव के लिए उचित पहल नहीं की जा रही है, इसलिए यदि 17 दिसंबर तक धान का उठाव नहीं होता तो 19 दिसंबर से धान खरीदी का काम बंद कर दिया जाएगा। इसकी सूचना कलेक्टर, खाद्य अधिकारी व विपणन अधिकारी को दे दी गई है।

जनादेश परब : राज्य शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनादेश परब पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई जिले के उपलब्धियों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी

फोटो प्रदर्शनी में प्रस्तुत की गई जिले के विकास कार्यों की झांकी

राज्य शासन की विभिन्न लोकहितैषी योजनाओं के माध्यम से जनसामान्य के जीवन में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन को फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से किया गया प्रदर्शित

राजनांदगांव (दावा)। राज्य शासन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनादेश परब के अवसर पर आज कलेक्टोरेट में जनसम्पर्क विभाग की जिले के उपलब्धियों पर आधारित फोटो प्रदर्शनी लगाई गई है। फोटो प्रदर्शनी में जिले के विकास कार्यों की झांकी प्रस्तुत की गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की विभिन्न लोकहितैषी योजनाओं के माध्यम से जनसामान्य के जीवन में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन को फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। सरकार नागरिकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नागरिकों ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं प्रशंसा की। उन्हें छत्तीसगढ़ जनमन, सुशासन के नवीन आयाम, खुशियों का नोटिफिकेशन किताबों का वितरण किया गया। उदित छत्तीसगढ़ सशक्त नेतृत्व से प्रगति का स्वर्णिम युग पाम्पलेट का भी वितरण किया गया। नागरिक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं।

जनसम्पर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल की अभिव्यक्ति के साथ शासन की विभिन्न योजनाओं जिनमें महतारी वंदन योजना से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और विकास की नई इबारत, किसानों को मिला 2 साल का बोनस, खुशियों का मिला पैगाम, धान खरीदी का महापर्व- कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी, प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला अपना पक्का मकान, पीएमश्री योजना, न्योता भोजन, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गरीब परिवार की कन्याओं के लिए 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता, जेसीबी वाली दीदी दमयंती सोनी को जापान जाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर मिली 3 लाख 76 हजार रूपए की राशि, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सीआरसी सेंटर, आरोहण बीपीओ सेंटर से जिले लगभग 850 से अधिक युवाओं को मिला रोजगार, बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए जिला प्रशासन की पोट्ठ लईका पहल, जल संरक्षण के लिए जिला प्रशासन की पहल मिशन जल रक्षा, जल जीवन मिशन, एक पेड़ माँ के नाम महावृक्षारोपण अभियान, चलो बनाबो हरियर छत्तीसगढ़, श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना, उन्नति के नए क्षितिज लिख रहे हैं विकास की नई दास्तां, जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर से ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम छोर के हितग्राही हो रहे लाभान्वित, जिले में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत जरबेरा, ऑर्किड एवं रंगीन शिमला मिर्च की खेती से समृद्ध बन रहे किसान सहित विभिन्न योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है।

8 लाख तक खर्च कर सकेंगे निगम के पार्षद प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव के लिए लिमिट तय; जानिए नगर पालिका और पंचायत की सीमा

राजनांदगांव (दावा)। राज्य में वाले नगर निगमों के पार्षद होने वाली नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद प्रत्याशी चुनाव लड़ने के लिए पिछली बार की तुलना में ज्यादा पैसा खर्च कर सकते हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग ने निकाय चुनाव में खर्च की नई सीमा तय कर दी गई है। नगरीय प्रशासन विभाग से जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार तीन लाख या उससे अधिक जनसंख्या प्रत्याशी इस बार 8 लाख रुपये तक चुनाव लड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

तीन लाख से कम आबादी वाले नगर निगम में यह सीमा 5 लाख तय की गई है। पहले यह सीमा 5 लाख और तीन लाख रुपये थी। नगर पालिका परिषद में पार्षद प्रत्याशी के लिए खर्च की सीमा 2 लाख और नगर पंचायत में 75 हजार रुपये तय की गई है।

रायपुर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, सीएम साय ने किया स्वागत

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आज छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में राजधानी में आयोजित जनादेश परब में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जेपी नड्डा का स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा सहित स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी और किरण देव सिंह ने भी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया।

कर्मचारियों को वेतन के लाले, शहर में अनिवार्य सेवा पानी, सफाई ठप्प और सरकार जश्न मनाने जुटी - हेमा देशमुख

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश मे नगरीय निकाय के कर्मचारी वेतन एवं अपनी अन्य मागों को लेकर विगत तीन-चार दिनों से हडताल में है। जिसके कारण शहर की व्यवस्था चौपट हो गयी है और नागरिको को दी जाने वाली मूलभूत सुविधा पेयजल सप्लाई बाधित हो गयी है, वही शहर में सफाई व्यवस्था ढप्प हो गयी है। दूसरी ओर सरकार जश्न मना रही है। यह बाते महापौर एवं प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कही।

महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि सरकार अपने एक साल के कार्यकाल की उपलब्धिया गिनाते हुये झुठी वाहवाही ले रही है, जबकि धरातल में कुछ और ही स्थिति है। उन्होंने कहा कि जब से सरकार बैठी है प्रदेश में अराजक्ता का माहौल निर्मित हो गया है। अधिकारी कर्मचारी अपनी मांगो के लिये हडताल पर हडताल किये जा रहे है, किन्तु यह सरकार इन्हें नजर अंदाज कर जश्न मनाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का नगरीय निकाय विभाग सबसे महत्वपूर्ण विभाग होता है और निकाय के कर्मचारियों को वेतन के लाले पडे है, जिसके लिये वे हडताल कर रहे है। जबसे सरकार बैठी है तब से निकाय के कर्मचारी तीसरी बार हडताल कर रहे है। इसी प्रकार अन्य विभाग के कर्मचारी भी हडताल में लगे हुये है, जबकि अधिकारी और कर्मचारी ही सरकार के प्रमुख अंग होते है, ये इस सरकार की एक साल की उपलब्धि है।

महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि नगरीय निकाय कर्मचारी हडताल से शहर की व्यवस्था ठप्प हो गयी है, चारो ओर कचरो का अम्बार लग गया है, वही पेयजल प्रभावित हो रही है, लेकिन यह सरकार इनको नजर अंदाज कर जश्न मना रही है। उन्होंने कहा कि भरे दीवाली में कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला, जिसकी मांग वो शुरू से करते आ रहे है। कर्मचारी हितेशी बात करने वाली सरकार कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रही है। एक तारीख को वेतन देने का फरमान जारी करने से कुछ नहीं होता, वेतन के लिये फंड देना होता है। ये सरकार सिर्फ घोषणावीर बन कर रह गयी है। विकास कार्य के लिये राशि देने घोषणा की जाती है, पर राशि आती नहीं है।

प्रदेश उपाध्यक्ष हेमा देशमुख ने कहा कि सरकार महतारी वंदन योजना में राशि देने की बात करती है, लेकिन पात्र महिलाओं के खाते में राशि ही नही आती तथा कई पात्र महिलाये आवेदन देने के बाद भी लाभ से वंचित है। इसी प्रकार किसानों को बोनस देने की बात करे तो जितनी घोषणा की गयी थी उससे कम राशि दी जा रही है तथा धान खरीदी में भी गडबडी व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार का कार्यकाल पूरी तरह से विफल रहा, सरकार कर्मचारियों एवं गरीबों के हित में कार्य करे। निकाय कर्मचारियों की मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर उन्हें वेतन दे, उसी प्रकार महंगाई कम कर आम नागरिकों को राहत पहुँचाये, तब अपनी उपलब्धि गिनाए।

नगरीय निकाय के वार्डों का आरक्षण 19 दिसम्बर को जिला पंचायत सभाकक्ष में

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण) नियम 1994 के प्रावधान अनुसार नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के वार्डों के आरक्षण 19 दिसम्बर 2024 को जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में किया जाएगा।

नगर पालिक निगम राजनांदगांव के वार्डों के आरक्षण की कार्रवाई 19 दिसम्बर 2024 को शाम 4 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में की जाएगी। इसी तरह नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के वार्डों का आरक्षण 19 दिसम्बर 2024 को दोपहर 2.30 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया जाएगा। नगर पंचायत डोंगरगांव के वार्डों का आरक्षण 19 दिसम्बर 2024 को दोपहर 1 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में, नगर पंचायत छुरिया के वार्डों का आरक्षण 19 दिसम्बर 2024 को दोपहर 2 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष तथा नगर पंचायत लाल बहादुरनगर के वार्डों का आरक्षण दोपहर 1.30 बजे किया जाएगा। जिले के नगर पालिक निगम राजनांदगांव, नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़, नगर पंचायत डोंगरगांव, छुरिया एवं लाल बहादुर नगर के वार्डों का अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं के लिए आरक्षित करने की कार्रवाई लॉट डालकर की जाएगी। संबंधित क्षेत्र के व्यक्ति आरक्षण की कार्रवाई के दौरान निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित हो सकते है।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध आर-पार : एक साल की साय सरकार में हर महीने 5 भ्रष्टाचारी गए जेल, अब बनेगा आयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। पिछले 12 महीने में एंटी करप्शन ब्यूरो ने 35 अलग-अलग मामलों में 60 आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें बाबू से लेकर अफसर तक शामिल हैं। सरकार की स्पष्ट नीतियों, फैसले और पारदर्शी निर्णयों से जनता के पैसों का दुरुपयोग करने वाले अब जेल की हवा खा रहे हैं। सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोग का गठन करने की तैयारी कर रही है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2023 में भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोग बनाकर शिकायतों के निवारण और निगरानी करने की घोषणा की थी। मोदी की गारंटी वाले संकल्प पत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोग गठित करने की घोषणा भी हुई थी। इसके अलावा शिकायत निवारण व निगरानी के लिए वेब पोर्टल का सृजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में सेल का गठन करके भ्रष्टाचार के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की तैयारी है।

भ्रष्टाचारियों के हौसले पस्त

भ्रष्टाचार को बड़ी समस्या माना जाता है और इससे निपटने के लिए राज्य सरकार ने अनेक उपाय भी किए गए हैं। भ्रष्टाचार के सबसे आम कृत्यों में किसी न किसी रूप में रिश्वतखोरी शामिल है। रिश्वत में किसी तरह के व्यक्तिगत लाभ के लिए अनुचित एहसान और उपहारों का इस्तेमाल शामिल है।

पूर्व सरकार के द्वारा सीएसआईडीसी के जेम पोर्टल पर लगी रोक को इस सरकार ने हटा दिया। जैम के माध्यम से फिर से खरीदी व्यवस्था को लागू कर दिया। दावा है कि जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी सामग्री की खरीदी आसानी से होने के साथ-साथ गुणवत्ता में वृद्धि और भ्रष्टाचार में कमी आएगी।

घोटालों पर सरकार की सख्ती

शराब घोटाला- वर्ष 2019 से 2022 तक 2,161 करोड़ के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई कर कईयों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

डीएमएफ घोटाला- जिला खनिज न्यास मद घोटाले के मामले में दोषी को उनकी कारगुजारियों को जेल में डाला जा चुका है।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला- राज्य सेवा परीक्षा में व्यापक स्तर पर हुई गड़बड़ियों पर सीबीआइ जांच चल रही है। जांच कराई।

कोयला घोटाला- कोयला परिवहन पर 25 रुपये की अवैध उगाही कर 540 करोड़ रुपये कोयला घोटाले में भी प्रवर्तन निदेशालय ने नौकरशाहों, व्यापारियों, राजनेताओं और बिचौलियों को जेल भेज दिया।

आरटीई घोटाला- शिक्षा के अधिकार अधिनियम यानी आरटीई में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों पर एफआइआर के निर्देश दिए गए हैं।

महादेव एप घोटाला- 5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के बताए जा रहे महादेव एप घोटाले में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

जमीन घोटाला- जमीन खरीदी-बिक्री में व्याप्त अनियमितताओं और धोखाधड़ी पर जांच चल रही है। इसे रोकने के लिए सुगम एप लांच किया है।

नेशनल विंटर ट्रेकिंग कैंप : 10 डिग्री तापमान में बर्फीले रास्तों से होकर 12500 फ़ीट की ऊंचाई पर लहराया तिरंगा

जिले से नितेश अग्रवाल, आकाश सूर्यवंशी, क्षितीज सूर्यवंशी, बालोद जिले से देवेन्द्र मेश्राम शामिल रहे

राजनादगांव (दावा)। जिले के ट्रेकरों ने उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित केदारकंठा ट्रेक जिसकी ऊंचाई 12500 फ़ीट है, जहाँ तापमान10 डिग्री तक कड़कड़ाती ठंड को पार कर सफल आरोहन किया गया। ट्रेक माउंट के तत्वाधान में दिनाँक 9 से 12 दिसंबर तक उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले मे नेशनल विंटर ट्रेकिंग का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न राज्य ओड़िसा, दिल्ली, हरियाणा, पुणे, मणिपुर सहित छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग लिया।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगाव जिले से नितेश अगरवाल पिता दिलीप अग्रवाल (सोमनी), आकाश सूर्यवंशी पिता अरुण सूर्यवंशी, क्षितिज सूर्यवंशी पिता अरुण सूर्यवंशी, बालोद जिले से देवेन्द्र मेश्राम पिता तोरण मेश्राम ने भाग लिया। सभी ने अदम्य साहस के साथ 11 दिसंबर रात्रि 2 बजकर 30 मिनट पर केदारकांठा बेस कैंप से 10 डिग्री सेल्सियस तापमान में कठिनाई भरी बर्फ़ीली रास्तों से होकर सुबह 6 बजकर 40 मिनट में केदारकांठा ट्रेक 12500 फीट ऊँची चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराया एवं पर्यावरण बचाव के लिए संदेश देते हुए छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

सोमनी के नितेश अग्रवार इसके पूर्व 2020 सेमाउंटेनिंग के क्षेत्र में उत्तराखंड के नैना पिक, कारकोटक ट्रैक, हिमाचल प्रदेश्के पातालशु पिक, माउंट फ्राइडशिप लेडी लेग एवं छत्तीसगर्वके सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा पर वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया।

आकाश सूर्यवंशी, क्षितिज सूर्यवंशी अखिल भारतीय मैथिल क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एवं नगर पालिक निगम में कार्यरत सहायक राजस्व निरीक्षक अरुण कुमार सूर्यवंशी के पुत्र, भारतीय जनता पार्टी दक्षिण ब्लॉक महिला महामंत्री श्रीमती रेणु सूर्यवंशी के पुत्र एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महामंत्री गोलू(कमलेश)सूर्यवंशी के भतीजे है। इन पर्वतारोही को उड़ीसा से प्रवाशनि बेहरा ने मुख्य रूप से टीम को लीड करते हुए टीम को सफलतापूर्वक चढ़ाई की और अपना लक्ष्य हासिल किया। संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव के इन युवाओं ने स्वयं के व्यय से पर्वतारोही कर शहर को गौरवान्वित किया। कल 14 दिसंबर 2024 को समता एक्सप्रेस ट्रेन से वापसी कर राजनांदगांव पहुंच रहे है।

बेचना है

(1) मोतीपुर से ढाबा रोड पर ढाबा में 76 डिसमिल जमीन बेचना है।
(2) रामनगर में स्कूल के पास 14 डिसमिल बेचना है।
(3) 21 ईंट बनाने वाली हैवी फ्लाई एश ब्रिक्स मशीन बेचना है।

– : संपर्क :–
मनोज सिन्हा मोतीपुर राजनांदगांव
7697225949, 7999580145, 6267688665

प्लॉट बेचना है

राजनांदगांव पेन्द्री में नेशनल हाईवे से 100 मीटर की दूरी पर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट
रोड, नाली, बिजली की सुविधा उपलब्ध
– : संपर्क :–
62641-56342

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. – 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com